मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 28 जून 2025

संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल तीन मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 294 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

नोरा फतेही पेरिस फैशन वीक में एक बार फिर मन्त्रमुग्ध करने को तैयार ◀◀ 6

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की कंडिशन स्टेबल, आईसीयू में एडमिट

पैरालिसिस अटैक के बाद दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में इलाजरत, जगन्नाथ मंदिर में विशेष पूजा

संवाददाता

रांची/ नयी दिल्ली: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है। उनके साथ सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिबू सोरेन की तबीयत में न कोई सुधार है और न ही कोई इंप्रूवमेंट है। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है।

शिबू सोरेन को आया पैरालिसिस अटैक : भाजपा नेता रघुवर दास ने जानकारी दी है कि उन्हें हल्का पैरालिसिस अटैक आया है। वहीं, पिता की तबीयत को लेकर हेमंत सोरेन दिल्ली में ही है। इसी कारण वह राजधानी रांची के ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल भी नहीं हुए। झारखंड में उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल है। सोशल मीडिया पर भी लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके जल्द स्वस्थ होने को लेकर पूजा की जा रही है। अनुष्ठान किए जा रहे हैं। झारखंड के विभिन्न हिस्सों में शिबू सोरेन को चाहने वाले उनकी सलामती की दुआ मांग रहे हैं। राजधानी रांची में कई जगहों पर उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए पूजा-अर्चना की गयी। झामुमो समर्थकों ने भगवान जगन्नाथ मंदिर में अनुष्ठान किया।

कई वरिष्ठ नेता पहुंच रहे हैं दिल्ली: जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन और अन्य पारिवारिक सदस्य दिल्ली में मौजूद हैं। झामुमो के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी दिल्ली पहुंच चुके हैं। राज्य सरकार के मंत्री इरफान अंसारी और संजय सिंह यादव भी गुरुजी का हाल जानने दिल्ली गए हैं। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर शुक्रवार को शिबू सोरेन को देखने दिल्ली पहुंचे। नगर विकास मंत्री सुदिव्य सोनू, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने दिल्ली पहुंचकर गुरुजी का हालचाल जाना है। इससे पहले 26 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी अस्पताल जाकर शिबू सोरेन का हालचाल ले चुकी हैं। राज्यपाल संतोष गंगवार भी दिल्ली में उनसे मुलाकात कर चुके हैं।

गौरतलब है कि बीते दिनों शिबू सोरेन को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली ले जाया गया था। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। 81 वर्षीय शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। वे एक साल से डायलिसिस पर हैं और पहले भी उनकी बायपास सर्जरी हो चुकी है।

इस बार रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया , मुख्यमंत्री ने जारी किया वीडियो, भगवान जगन्नाथ से पिता के लिए की प्रार्थना

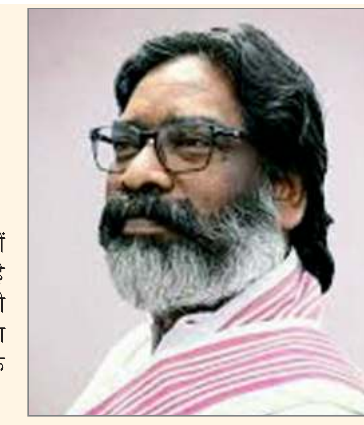

रांची/ नई दिल्ली: पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है। उनके साथ सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिबू सोरेन की तबीयत में न कोई सुधार है और न ही कोई इंप्रूवमेंट है। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है।

भगवान जगन्नाथ गुरुजी को जल्द स्वस्थ करें: सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर दिल्ली से ही वीडियो बनाकर शेयर किया है। वीडियो में सीएम हेमंत ने कहा, महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल वे वहां उपस्थित होते थे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं। दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। इसलिए वे इस बार रथयात्रा में शामिल नहीं पाए। भगवान जगन्नाथ से उन्होंने प्रार्थना की है कि गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आएं और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाए रखें। उन्होंने लिखा है कि भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें।

'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन, कार्डियक अरेस्ट से गयी जान

हैदराबाद: एक्ट्रेस और मॉडल शेफाली जरीवाला का निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक शेफाली जरीवाला को देर रात कार्डियक अरेस्ट आया। जिसके बाद उनकी मौत हो गई। जानकारी मिली है उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें, शेफाली जरीवाला कांटा लगा गाने से चर्चा में आई थीं। उनके निधन की सूचना पाकर बॉलीवुड में शोक की लहर है।

जो पता चला है उसके अनुसार शेफाली जरीवाला को कार्डियक अरेस्ट के बाद देर रात करीब 12 बजकर 30 मिनट पर अंधेरी स्थित कूपर अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बताया कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। अब मौत के कारण जानने के लिए उनका पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। उनके निधन की सूचना मिलते ही जांच एजेंसी और पुलिस उनके घर पहुंच गईं। ताजा जानकारी के मुताबिक शेफाली जरीवाला की मौत को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

बता दें, शेफाली जरीवाला ने साल 2002 में एक म्यूजिक वीडियो कांटा लगा से सनसनी मचा दी थी। इस गाने ने उनको रातों-रात फेमस कर दिया। उसके बाद उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में भी काम किया। शेफाली जरीवाला बिग बॉ, सीजन 13 में भी शामिल हुई थीं। उन्होंने अपने किरदार से लोगों का खूब मनोरंजन किया। इसके अलावा शेफाली ने डांस रियल्टी शो नच बलिए पार्ट-5 में भी भाग लिया था। शेफाली जरीवाला गुजरात की रहने वाली थीं। उनके पिता का नाम सतीश जरीवाला और माता का नाम सुनिता जरीवाला था। उन्होंने साल 2014 में एक्टर पराग त्यागी से शादी की और उसके बाद बॉलीवुड को अलविदा कह दिया।

शेफाली जरीवाली के निधन की खबर मिलते ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सभी लोग उनके निधन पर शॉक्ड हैं। गायक मीका सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेफाली जरीवाला के निधन की खबर पर लिखा कि मैं सदमें में हूं। दुखी हूं। हमारी प्यारी स्टार और सबसे अच्छी दोस्त हमें हमेशा के लिए छोड़कर चली गई। यकीन नहीं हो रहा है। फैंस भी इस दुखद खबर को सुनकर काफी शॉक्ड हैं। सभी लोग शोक जता रहे हैं। किसी को भी उनके निधन पर विश्वास नहीं हो रहा।

टला बड़ा रेल हादसा : पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन, टूटा हुआ मिला ट्रैक

नई दिल्ली : तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक बड़ा रेल हादसा उस वक्त टल गया जब अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन (66057) चिट्टेरी रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। यह हादसा ट्रेन के स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही मिनटों बाद हुआ। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों और शुरूआती जांच के अनुसार, ट्रेन के पटरी से उतरने से पहले एक तेज आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को रोक दिया। घटनास्थल से मिली तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा टूटा हुआ था, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

घटनास्थल पर मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, रेलवे के अधिकारी पूरे मामले की जांच में जुटे हुए हैं और ट्रैक की क्षति का आकलन किया जा रहा है।

दक्षिणी रेलवे की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रभावित रेल सेवाएं कब तक सामान्य होंगी। घटना के बाद कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा है, लेकिन स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

यमुनोत्री हाईवे के पास भू-धंसान वाहनों की आवाजाही हुई बंद

सुबह से सैकड़ों श्रद्धालु रास्ते में फंसे

देहरादून : यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड़ के पास देर रात भारी बारिश के चलते भू-धंसान हो गया, जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। इसके कारण हाईवे के दोनों ओर सैकड़ों श्रद्धालुओं के वाहन फंसे हुए हैं। श्रद्धालु यमुनोत्री धाम की यात्रा पर निकले थे, जिन्हें अब परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग (एनएच) की मशीनें मौके पर भेजी गई हैं और मलबा हटाने का काम जारी है।

राज्य के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सिरोहबगड़ के पास बंद हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी सोनप्रयाग के समीप अवरुद्ध है। बदरीनाथ हाईवे पर पीपलकोटी के पास भनेरपानी में मलबा आने से रास्ता बाधित हो गया है। तीनों स्थानों पर यात्रा वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और यात्रियों को मौसम खुलने का इंतजार है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून और नैनीताल जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। बागेश्वर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। अन्य जिलों में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, तीन जुलाई तक पूरे उत्तराखंड में बिजली चमकने और बारिश के आसार बने रहेंगे। ऐसे में यात्रियों और स्थानीय प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

कोलकाता गैंगरेप केस

शादी का प्रपोजल ठुकराने के कारण छात्रा के साथ किया दुष्कर्म

दुष्कर्म मामले में लॉ कॉलेज का गार्ड गिरफ्तार, अब तक चार पर पुलिस का शिकंजा

कोलकाता: कस्बा इलाके में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की 24 वर्षीय छात्रा के साथ कॉलेज परिसर के अंदर तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस का बयान सामने आया है। लॉ कॉलेज की छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को शक है कि मुख्य आरोपी ने शादी का प्रपोजल ठुकराए जाने के बाद अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह पता लगाने की भी कोशिश की जा रही है कि यह वारदात प्री-प्लान्ड था या नहीं। अधिकारी ने बताया, घटनाक्रम को देखते हुए ऐसा लगता है कि मुख्य आरोपी का विवाह प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से इसकी पुष्टि हुई है। अधिकारी ने बताया, लेकिन यह प्री- प्लान्ड अपराध था या अचानक हुआ, यह साबित होना बाकी है। अधिकारी ने बताया कि युवती ने तीनों आरोपियों से कहा था कि उसका एक प्रेमी है और वह उसके साथ खुश है। उसे धोखा नहीं देगी। उन्होंने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद तीनों ने छात्रा के प्रेमी को जान से मारने और मुख्य आरोपी का विरोध जारी रखने के लिए उसके (लड़की के) माता-पिता के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की धमकी दी। उन्होंने बताया, हर पहलू की जांच की जा रही है। हम तीनों आरोपियों और पीड़िता के कॉल डिटेल की भी जांच कर रहे हैं।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की हुई पुष्टि: मेडिकल जांच में लॉ कॉलेज की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 जून की शाम को संस्थान के एक पूर्व छात्र और दो वरिष्ठ छात्रों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। तीनों आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उसी दिन युवती की मेडिकल जांच भी कराई गई। छात्रा के गुप्तांगों और जांघों के पास बाहरी चोटों के निशान हैं, साथ ही उसकी गर्दन के आसपास चोट के निशान भी हैं।

प्रेमी ने चाकू गोदकर की प्रेमिका की हत्या, वीडियो बनाकर फेसबुक -इंस्टाग्राम पर डाला, फिर कर ली आत्महत्या

लोहरदगा: जिले से शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक 17 वर्षीय किशोर ने अपनी 14 वर्षीय प्रेमिका की चाकू से मारकर हत्या कर दी और फिर उसका वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर डाल दिया। प्रेमी इस घटना को अंजाम देने के बाद जंगल में भाग गया, जहां उसका शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। यह घटना के लोहरदगा जिला के पेशरार प्रखंड के दुंदरु गांव की है। मृतकों की पहचान दुंदरु निवासी जंगल उरांव के पुत्र जयनाथ उरांव (17) और उसी गांव के रामदयाल उरांव की पुत्री मालती कुमारी (14) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों नाबालिगों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। शुक्रवार को दोनों अपने दोस्तों और सहेलियों के साथ पेशरार प्रखंड के डाडु रथ मेला देखने गए थे। वापसी के दौरान शुक्रवार देर शाम जयनाथ ने मालती पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। उसने मालती के गले पर कई बार चाकू से वार किया और इस दौरान वीडियो भी बनाया। घटना के समय मालती के साथ 8 से 10 अन्य लड़कियां मौजूद थीं। जयनाथ ने कुछ अन्य लड़कियों पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें असफल रहा। इस दौरान कुछ लोगों को हल्की चोटें भी आईं।

वहीं जयनाथ के साथ दो अन्य युवक भी मौके पर मौजूद थे। हत्या के बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह जंगल में भाग गया। बाद में उसका शव जंगल में फंदे से लटका हुआ पाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही सेरेंदाग पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मालती के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। यह घटना पूरे गांव में सनसनी फैलाने वाली साबित हुई है, और पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पटना से अररिया जा रही बस की ट्रक से टक्कर, 20 यात्री घायल, 7 गंभीर

मधुबनी: जिले के एनएच-27 पर सुपौल से पहले भुतहा-झिटकी के बीच शनिवार की सुबह बस और ट्रक में भीषण टक्कर हुई है। पटना से अररिया जा रही बस ने सड़क पर खड़ी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हाइदे में ड्राइवर और खलासी समेत 20 यात्री घायल हो गए है, जिन्हे निर्मली अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल 7 यात्रियों को सुपौल सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

यह हादसा मधुबनी जिले के भुतहा-झिटकी के बीच एनएच-27 पर शनिवार सुबह करीब 6 बजे हुआ। पटना से अररिया के सिकटी जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर एक खड़े ट्रक से जोरदार टकरा गई। इस हादसे में बस में सवार चालक, खलासी और सभी 20 यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों और निर्मली अनुमंडलीय अस्पताल के कर्मियों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। जिनमें से अधिकतर अररिया, पटना, छपरा और सुपौल के निवासी हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, 16 वर्षों से जारी है परंपरा

खूंटी: जिले में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस परंपरा की शुरूआत लगभग 16 वर्ष पूर्व सीआरपीएफ द्वारा की गई थी, जो आज भी बड़े उत्साह के साथ जारी है। रथ यात्रा सीआरपीएफ कैंप कचहरी से प्रारंभ होकर मिश्रा टोली स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची, जहां भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र अपने मौसी बाड़ी में विश्राम करेंगे। यात्रा से पहले सीआरपीएफ कैंप में विशेष पूजा और भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सीआरपीएफ के जवानों, जिला प्रशासन के अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं ने रस्सियां पकड़ीं, जबकि महिलाओं और पुरुषों ने रास्ता बुहारकर यात्रा को और भी शुभ बनाया। खूंटी की जनता में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। यह रथ यात्रा हर साल धार्मिक एकता और सामुदायिक सद्भाव का प्रतीक बनकर उभरती है, जिसमें सभी वर्गों के लोग बिना किसी भेदभाव के शामिल होते हैं।

धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा,8

चतरा: भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन चतरा शहर के पत्थलदास मंदिर में पूरे श्रद्धा,भक्ति के साथ बहुत ही धूमधाम मनाया गया।इस पावन अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया । रथ यात्रा की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई,भगवान श्री जगन्नाथ,बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को पारंपरिक रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए निकाला गया यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया गया । साथ ही भक्ति संगीत, भजन-कीर्तन,फूलों की वर्षा तथा प्रसाद वितरण जैसे आयोजनों से वातावरण पवित्र एवं भक्तिमय बना रहा, इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए थे ।पुलिस बल की तैनाती एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई जिससे रथ यात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। भगवान जगन्नाथ के शहर भ्रमण के दौरान गंदौरी मंदिर के महंत चंद्र शेखर लाल उर्फ पप्पू जी एवं समस्त परिवार की ओर से भगवान की आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया। रथ यात्रा में पत्थल दास के अध्यक्ष चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम एवं चतरा अंचलाधिकारी अनिल कुमार शामिल हुए और रथ खींचा। भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था , शांति और समर्पण का प्रतीक बनकर सम्पन्न हुआ। रथ यात्रा में शामिल नहीं हुए ट्रस्टी दुकानदारः पत्थल दास ट्रस्ट के अंतर्गत लगभग दो दर्जन दुकानें हैं परन्तु ट्रस्टी दुकानदारों को पत्थल दास मंदिर के किसी भी पूजा पाठ से कोई भी मतलब नहीं है। भगवान जगरनाथ रथ यात्रा के इस दुर्लभ क्षण में इनकी अनुपस्थिति रहती है।स्थानीय दुकानदार बाबू अग्रवाल ने ट्रस्टी दुकानदारों की निष्क्रियता की बात कही। वहीं स्थानीय श्रद्धालु ने कहा कि इस मंदिर के पास अरबों की प्रापर्टी है पर भगवान जगन्नाथ को नित्य लगने वाले भोग में भी कभी कभी स्थिति दयनीय हो जाती है।वहीं शहर के जाने माने व्यवसाई सह समाजसेवी शंकर तुलस्यान ने ट्रस्टी दुकानदारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ट्रस्टी दुकानदार कम किराए पर दुकान रखे हुए हैं परन्तु सामाजिक धार्मिक अनुष्ठानों में उनकी कोई भूमिका नहीं होती।

देश के 112 आकांक्षी जिलों में चतरा ने मार्च के डेल्टा रैंकिंग में हासिल की शीर्ष रैंकिंग नीति आयोग से मिलेगा 10 करोड़ का पुरस्कार

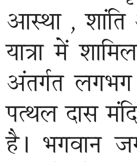

चतराः नीति आयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है। नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गई, जिसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। उल्लेखनीय है कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले को नीति आयोग द्वारा ?10 करोड़ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के संबंध में नीति आयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले की प्रगति से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने बताया कि चतरा जिले ने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचा जैसे मुख्य क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप, नवाचार एवं बेहतर अनुश्रवण प्रणाली के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शी सेवा वितरण और सतत निगरानी से सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित हुए हैं। प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपायुक्त ने उन प्रयोगात्मक पहलों एवं रणनीतियों को साझा किया, जिन्होंने जिले के सामाजिक-आर्थिक संकेतकों को सुधारने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि ह्लयह उपलब्धि पूरे जिला प्रशासन, विभागीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के सहयोग का परिणाम है।

कोलकाता से पटना के लिए रवाना हुए इंडिगो विमान का टायर हुआ पंक्चर, रांची में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग, यात्री नाराज

संवाददाता

रांची: कोलकाता से पटना के लिए रवाना हुए इंडिगो के एक विमान को टायर में खराबी की वजह से बीते शुक्रवार दोपहर रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उतारा गया।

बताया जा रहा है कि लैंडिंग के बाद की गई जांच में टायर में पंचर पाया गया, जिससे विमान को यहीं रोकना पड़ा और उड़ान रद्द कर दी गई। इस फ्लाइट में पटना के साथ-साथ लखनऊ जाने वाले यात्री भी सवार थे। अचानक आई इस समस्या से यात्री काफी परेशान हुए। टायर पंक्चर की घटना से कई यात्री अपने जरूरी काम से देरी से पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट पर इंडिगो के खिलाफ नाराजगी जाहिर की और कहा कि ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए।

एक यात्री ने बताया, 'हमें बहुत परेशानी हुई। समय पर पटना पहुंचना था, लेकिन अब देरी हो गई है।' एक अन्य यात्री ने कहा, 'एयरलाइंस को यात्रियों के अनुभव और सुविधा पर ध्यान देना चाहिए।' वहीं, हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता से आने वाली उड़ान को पटना और फिर लखनऊ जाना था। हवाई अड्डे के निदेशक आरआर मौर्य ने कहा, सुरक्षा कारणों से विमान को उतारा गया।" उन्होंने बताया कि पटना के यात्रियों को सड़क मार्ग से भेजा गया, जबकि लखनऊ जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों से अन्य उड़ानों से भेजा गया।

जोलबीघा की बदहाल सड़कों पर ग्रामीणों का 'अजूबा' विरोध

मुख्य मार्ग पर चलाया हल, अब प्रखंड मुख्यालय पर देंगे धरना

संवाददाता

चतरा: जिले के जोलबीघा गाँव में सड़कों की दयनीय हालत से त्रस्त ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। सरकारी अधिकारियों, नेताओं और ठेकेदार की घोर उदासीनता से आजिज आकर ग्रामीणों ने गाँव के मुख्य मार्ग पर हल-बैल चलाकर सड़कों को जोत डाला। यह प्रतीकात्मक विरोध इस बात का संकेत है कि अब ग्रामीण सड़क बनने की उम्मीद पूरी तरह छोड़ चुके हैं और उसे खेत में तब्दील करने को मजबूर हैं।

सात साल का इंतजार और टूटी उम्मीदें: ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले लगभग सात सालों से इस सड़क का मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, जोलबीघा गाँव की सड़क आज भी बदहाली पर आंसू बहा रही है। गाँव की सड़कें कीचड़ और गहरे गड्ढों से भरी पड़ी हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। एक ग्रामीण ने व्यथित होकर कहा, सड़क बनने की उम्मीद ही नहीं है किसी से, इसीलिए हम लोग जोलबीघा गाँव की मुख्य मार्ग की सड़क को खेत में तब्दील कर रहे हैं।

ठेकेदार से भरोसा टूटा, अधिकारियों की अनदेखी: स्थानीय ग्रामीण टेकन यादव ने बताया कि संवेदक (ठेकेदार) के कार्यों से उम्मीद की बांध टूट गई है। उनका कहना है कि ठेकेदार ने काम में भारी लापरवाही बरती है और सड़कें बनाने की बजाय उन्हें और बदतर बना दिया है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जिले के अधिकारी इस मामले पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसका खामियाजा है कि जोलबीघा गाँव की सड़कों की पहचान भी अब दम तोड़ रही है।

सड़क न होने से बेटियों के रिश्ते पर भी असरः सड़क की बदहाली का असर केवल आवागमन पर ही नहीं, बल्कि गाँव के सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ने लगा है। ग्रामीणों का दर्द है कि गाँव में सड़क न होने से बेटियों के रिश्ते पर भी ताना-बाना आने लगा है। शहरी क्षेत्र के लोग इस गाँव में रिश्ता तक नहीं करना चाहते,जो एक गंभीर सामाजिक समस्या बन गई है।

अब प्रखंड मुख्यालय पर धरनाः गुस्साए ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि अगर सड़क निर्माण पर जल्द विचार नहीं किया गया और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला, तो पूरे गाँव के ग्रामीण प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय के समक्ष धरना देंगे। यह ग्रामीणों के धैर्य की अंतिम सीमा मानी जा रही है।

विधायक पर भी फूटा गुस्साः ग्रामीणों का गुस्सा स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर भी निकला। उनका कहना है कि श्विधायक जी केवल मीडिया के आगे अपना बयान देते हैं, ग्रामीण की समस्या सुनने को उन्हें भी फुर्सत नहीं है।

जोलबीघा के ग्रामीणों के इस 'अजूबे' और हताशा भरे विरोध ने निश्चित रूप से प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अब देखना यह होगा कि इस 'सड़क को खेत' बनाने वाले विरोध और धरने की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आता है, या जोलबीघा की सड़कें वाकई हमेशा के लिए खेतों में तब्दील हो जाएंगी और गाँव की बेटियों का भविष्य भी इस बदहाली की भेंट चढ़ता रहेगा।

राशन लेने गयी विधवा महिला के साथ डीलर के बेटों ने की मारपीट

भुक्तभोगी महिला ने एफआईआर के लिए सदर थाना में दिया आवेदन

चतराः शहर के बिंड मोहल्ला निवासी स्व सुरेंद्र राम की 65 वर्षीय पत्नी सुमित्रा देवी ने गुदरी बाजार निवासी सह जन वितरण प्रणाली की दुकानदार शिवानी गुप्ता व उनके बेटों पर मारपीट व गालीगलौज करने का आरोप लगाया है। भुक्तभोगी महिला ने सदर थाना में डीलर के विरुद्ध एफआईआर के लिए सदर थाना में आवेदन दिया है। थाना को दिए आवेदन में महिला ने बताया है कि वह राशन लेने के लिए अपने डिलर शिवानी गुप्ता के दुकान में गई हुई थी। दुकान में तीन महीने का अनाज मिल रहा है। डिलर के द्वारा दो महीने का ही अनाज दिया गया। जब वह एक महीने का और अनाज की मांग किया तो डीलर के दो बेटों ने उसके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट कर दिया। एक लड़के ने उसपर डंडे चला दिया। जिससे उसके हाथ पर चोट लगा और हाथ भी फुल गया। हांलाकि खबर लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नही किया गया है। यहां बताते चले कि भारत सरकार के द्वारा अंत्योदय योजना व लाल कार्ड धारियों को इस माह में एक साथ जून, जूलाई व अगस्त तक का अनाज एडवांस में दिया जा रहा है। भुक्तभोगी महिला भी अंत्योदय योजना के तहत एक साथ तीन महीने का अनाज लेने के लिए राशन दुकान पर गई हुई थी। लेकिन राशन दुकानदार ने महिला को अनाज देने के बजाय उसके साथ मारपीट कर दिया।

उपायुक्त पहुंची पत्थलगड्डा प्रखंड,योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

कम उम्र के युवाओं को शराब बेची गई तो होगी कड़ी कार्रवाईः उपायुक्त

,6

चतराः जिले में संचालित विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सेवा वितरण की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने हेतु उपायुक्त कीर्तिश्री शुक्रवार को पत्थलगड्डा प्रखंड के दौरे पर पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं संस्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जनवितरण प्रणाली दुकान (ढउ्र), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, शराब दुकान एवं प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। जनवितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण सेवाओं की स्थिति एवं कार्यालयी व्यवस्था को लेकर उन्होंने विस्तार से समीक्षा की एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षणः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, दवा भंडार, स्वास्थ्य उपकरणों की स्थिति, चिकित्सकों एवं कर्मियों की उपस्थिति तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उपायुक्त ने अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सेवा संतोष के बारे में जानकारी ली। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि ह्लस्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अस्पताल में दवा आपूर्ति, मरीजों के लिए पेयजल व शौचालय की उपलब्धता सहित आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

नावाडीह स्थित जनवितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षणः जिला प्रशासन द्वारा जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) में पारदर्शिता एवं समयबद्ध खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने पत्थलगड्डा प्रखंड क्षेत्र निरीक्षण के क्रम में नावाडीह पंचायत स्थित जनवितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण कर दुकानों में उपलब्ध खाद्यान्न भंडारण, स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजिका, लाभुकों की सूची और पॉस मशीन संचालन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने लाभुकों से सीधे संवाद कर राशन वितरण की स्थिति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की जानकारी ली और मौके पर उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनवितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी न हो, इसके लिए नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न ससमय उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बरवाडीह पंचायत भवन का निरीक्षणः पंचायत में संचालित विकास योजनाओं की जानकारी ली। मुखिया और पंचायत सचिव से पंचायत की समस्याओं से अवगत हुए। बिरहोर परिवारों को दी जा रही सुविधाओं के बारें में भी जानकारी ली।

शराब दुकान का निरीक्षणः प्रखंड मुख्यालय में संचालित शराब दूकान का निरीक्षण के क्रम में दुकान में उपलब्ध स्टॉक, बिक्री पंजी, लाइसेंस संबंधित दस्तावेजों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की गहन जांच की। इस दौरान दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को शराब की बिक्री न की जाए। उपायुक्त ने दुकान परिसर में स्वच्छता, निर्धारित समय पर बिक्री, तथा नियमों के तहत संचालन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है या कम उम्र के युवाओं को शराब बेची जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षणः शैक्षणिक संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की छत से पानी रिसाव की स्थिति देखकर उन्होंने गंभीर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल एसडीओ को तकनीकी जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, छात्राओं को उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय और शयन कक्ष की स्थिति का भी अवलोकन किया। इस क्रम में उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि साफ-सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा आवश्यक उपस्करों की पूर्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए। प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर कक्ष की भी स्थिति का जायजा लिया। उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की समीक्षा करते हुए उन्होंने बीडीओ को सप्ताह में कम-से-कम एक दिन विद्यालय का निरीक्षण करने और सभी आवश्यक सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय में रहने वाली छात्राओं से भी सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व सुरक्षित वातावरण का भरोसा दिलाया।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज,जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पत्थलगड्डा ऊदल राम समेत संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाएं एवं निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य संपन्न करें। आगे उन्होंने कहा योजनाओं में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

52 लाख महिलाओं को अगले हफ्ते मिलेगा मईंया योजना का लाभ

मई माह की राशि जारी करने का निर्देश

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की 52 लाख महिला लाभुकों को अगले सप्ताह तक मई माह की राशि दी जायेगी। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिया है। जिलों को मई माह की राशि के भुगतान को लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने और जल्द राशि ट्रांसफर करने का आदेश दिया गया है।

इसको लेकर जिला स्तर पर पूरी तैयारी की जा रही है। जिलों द्वारा सोमवार से लाभुकों के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की जा सकती है। यह प्रक्रिया पूरी होने के

बाद इसकी जानकारी सामाजिक सुरक्षा निदेशालय को भी देने का निर्देश दिया गया है।

51 लाख महिलाओं को अप्रैल माह की राशि मिली: अप्रैल महीने की राशि जून महीने में दी गयी है। राज्य की लगभग 51 लाख महिलाओं को अप्रैल माह की राशि दी गयी है। इस योजना के लाभुकों को प्रति माह 2500 रुपये दिये जाते हैं। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा इस योजना के लिए नवंबर माह तक की राशि जिलों को 96 अरब नौ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

एकता कमेटी ने इस्लामिक नये साल और रथ मेला पर बांटी कपड़े और मिठाइयां

संवाददाता

रांची: आज शनिवार को भारतीय एकता कमेटी के तत्वावधान में इस्लामिक नये साल और जगरनाथ रथ मेला के शुभ अवसर पर कर्बला टैंक रोड, मिशन चौक ,संत मारिया महागिरजा घर के पास जरूरतमंद लोगों के बीच नये कपड़े और मिठाइयां बांटी गई। इस शुभ अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और सेक्रेटरी रामेश्वर राम ने कहा कि हम सभी को जरूरतमंद बीमार लोगों के लिए सेवा का कार्य करना चाहिए। सभी देशवासियों को इस्लामी नया वर्ष और जगन्नाथ रथ यात्रा की बहुत-बहुत बधाई । गुलाम मुस्तफा ने इस अवसर पर कहा कि हम लोग इंसानों को सर्वश्रेष्ठ मानव बनाकर ईश्वर अल्लाह ने भेजा है हम सभी को चाहिए के दूसरों के लिए जरूरतमंद गरीब बीमार जो इंसान परेशान हाल है वैसे लोगों के लिए सेवा का कार्य खिदमत के लिए करना चाहिए। मदद करनी चाहिए। जिसके दिल में इंसानियत नहीं वह इंसान कहलाने के लायक नहीं है।

मेन रोड स्थित कुल्हाड़ी शाह बाबा के दरगाह में उर्स शुरू

जुमा के दिन कुरानखानी से शुरू यह उर्स 10 मोहर्रम छह जुलाई तक चलेगा

मेट्रो रेज

रांची : शुक्रवार को पूरे अकीदत के साथ मोहर्रम महीने की पहली तारीख को हर साल की भांति मेन रोड स्थित कुल्हाड़ी शाह बाबा के दरगाह कर्बला में पूरे अकीदत के साथ उर्स मनाने की शुरूआत हुई, जो यौमे आशूरा मोहर्रम की 10 तारीख छह जुलाई तक चलेगा। शुक्रवार को दरगाह शरीफ में कुरानखानी का आयोजन किया गया। मदरसा इस्लामी मर्कज के छात्रों एवं यकीदत मंदों द्वारा कुरआन की तिलावत की गई । साथ ही नारे तकबीर और नारे रिसालत के साथ दरगाह कुल्हाड़ी शाह बाबा (र0) दरगाह/ कर्बला में मो सईद के सरपरस्ती में शाही सन्दल गुलाब जल से गुस्ल दिया गया ,परचम लहराया ,चादर पेश किया

दरगाह में सलातो सलाम पेश करते हुए मुल्क और प्रदेश की खुशहाली,अमन सलामति की दुआ मांगी गई। दरगाह कमिटी के महा सचिव अकिलुर्रहमान खलीफा मो महजूद,जावेद गद्दी,सदर सेन्ट्रल मोहर्रम कमिटी मो इस्लाम प्रवक्ता,मो तौहीद सचिव,डॉ एम हसनैन,अफताब आलम उपाध्यक्ष,परवेज बबलू,जाहिद रजा,हैदर गद्दी,मो शफिक मिस्त्री,मो इकबाल रिजवी,,खादिम जाहिर,अब्दुल मन्नान,मो इबरार,शोएब खान ,मो नईम टेलर, कारी अयूब रिजवी,शहर काजी मसूद फरीदी,मुफ़्ती जमील साहेब,अनूप साहू,ब्रिज मोहन,मौलाना नूर मोहमद,मौलाना निजाम,मो नवाब,आदि बड़ी तादात में यकीदत मन्द दरगाह में हाजिर होकर अपने अपने हजातों और अपने नेक खाहिशतों के लिए बाबा के दरगाह और शोहदए कर्बला के वसीले ,सदके से पाक परवर दिगार से दुआ मांगी।

रांची में अगले कुछ घंटे में बारिश की संभावना, कई जिलों में वज्रपात का अलर्ट

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश और वज्रपात की आशंका को देखते हुए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आज यानी शनिवार को रांची समेत 13 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि रविवार, 29 जून को 7 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

आज इन जिलों में येलो अलर्ट

_मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, उनमें रांची, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, चतरा, बोकारो, सरायकेला-खरसांवा शामिल हैं। इन जिलों में वज्रपात की आशंका के चलते सतर्कता

बरतने की सलाह दी गई है।

कल इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

वहीं, कल यानी रविवार को चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, रांची और गुमला में भारी बारिश की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में जलजमाव और वज्रपात की स्थिति बन सकती है।

30 जून और 1 जुलाई को भी रहेगा असर

मौसम विभाग ने बताया है कि 30 जून को 9 जिलों और 1 जुलाई को 5 जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है। इन दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश से राहत और चिंता दोनों

नॉन स्टॉप हो रही बारिश से किसानों को राहत की उम्मीद है, लेकिन रथ यात्रा के दिन बारिश नहीं होने से चिंता भी जताई जा रही है। शुक्रवार को रांची में हल्की बारिश जरूर हुई, लेकिन रथ यात्रा के समय मौसम साफ रहा। मान्यता यह है कि रथ यात्रा के दिन यदि बारिश होती है तो काफी शुभ मानी जाती है, जिससे अच्छी फसल की उम्मीद रहती है।

बारिश के आंकड़े

मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से अब तक रांची में 534.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य तौर पर इस अवधि में औसत बारिश 168.6 मिमी होती है। पूरे झारखंड की बात करें तो अब तक औसतन 298.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य (160.2 मिमी) से काफी ज्यादा है। हालांकि, देवघर, गढ़वा, गोड्डा और पाकुड़ जैसे जिलों में अब भी सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

गोला मुरी मुख्य सड़क की कीचड़ में फंसी कई बड़ी गाड़ियां, घंटों जाम के कारण बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं

मुरी : गोला मुरी सड़क पर कीचड़ में बड़ी गाड़ी के फंसने से घंटों सड़क जाम लगा रहा। बीती रात से जाम है इसी जाम में एक महिला का प्रसव भी हो गया है। स्कूली बच्चे फंसे हैं । ज्ञात हो कि गोला मुरी मुख्य सड़क चौड़ीकरण बनने के क्रम में मुरी से गेडेवीर तक जगह-जगह बरसात के कारण कीचड़ हो गया है और कई जगह खतरनाक गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में बड़ी गाड़ियां चलने से हिचकौले खाती पार हो रही है। कुतरू में एक बडी गाडी कीचड़ में बुरी तरह से फंस गयी है ।वहीं लोदमु चढान में ट्रक फंस गया है। जिसके कारण गाड़ियां की लम्बी कतार लगी है। घंटों जाम में फंसे हैं इसी जाम में नेचर हार्ट स्कूल के बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहें हैं। स्कूल के प्रिंसिपल अलोक महतो ने जाम में फंसे बच्चों को घर लौटने का आदेश दिया है। प्रिंसिपल अलोक महतो का कहना है कि बड़े स्तर पर सड़क बन रहा है दो साल लग सकता है इस रास्ते में क ई बार जाम लगा है और स्कूल बाधित होता है । प्रशासन को चाहिए कि इस रास्ते में बड़ी गाड़ियां की नो एंट्री लगा दे।

गुरुजी शिबू सोरेन के लिए भाकपा-माले झारखंड राज्य कमेटी चिंतित,शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रांची: भाकपा-माले झारखंड राज्य कमेटी ने झारखंड के अग्रणी नेता गुरुजी शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि राज्य कमेटी उम्मीद करती है कि शिबू सोरेन शीघ्र स्वस्थ होकर अपने लोगों के बीच होंगे और राज्य की राजनीति में अपनी भूमिका अदा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती है। उनके स्वास्थ्य को लेकर झारखंड ही नहीं पूरे देश के बड़े बड़े राजनीतिक नेता और शख्सियत चिंतिंत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरूवार को गंगा राम अस्पताल जाकर शिबू सोरेन के स्वास्थ की जानकारी ली थी। इससे पहले बुधवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने अस्पताल जाकर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। झारखंड से लेकर दिल्ली तक उनके स्वास्थ्य को लेकर कई नेताओं ने चिंता जताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शुक्रवार को गुरूजी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की और उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फोन किया। रघुवर दास ने हेमंत सोरेन से हुई फोन पर बातचीत के बाद बताया कि हेमंत सोरेन ने उन्हे जानकारी दी है कि बाबा (शिबू सोरेन) को हल्का पैरालिसिस अटैक आया है।

एक ही रात तीन घरों में चोरी

संवाददाता

गिरिडीह: जिले में चोरों ने 3 घरों में डाका डाला है। चोर 3 घरों से लाखों रुपए उड़ाकर ले गए हैं। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चोरों ने 3 घरों से उड़ाए लाखों रुपए: मामला जिले के खिजर सोता गांव का है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात चोरों ने 3 घरों को निशाना बनाया। 3 घरों में दो घर तालाबंद थे। 1 घर में लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अगली सुबह परिजनों ने देखा कि घर की खिड़की और दरवाजा टूटा हुआ है। देखा कि चोर पूरे घर को लूटकर ले गए। वहीं, तालाबंद घर से भी चोरों ने अलमारी तोड़कर सोने की चेन, सोने की कान बाली, चांदी की पायल, कांसा-पीतल के बर्तन, जमीन के कागजात, कपड़े, चांदी की सिकड़ी, पायल, अमृत कंगन, बाजू, कांसा-पीतल का बर्तन, नकद सहित अन्य सामान की चोरी की।

ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप: वहीं, घटना को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की लापरवाही तथा रात्रि गश्ती नहीं होने से चोरों का मनोबल बढ़ रहा है।

देशी मशरूम खाते ही बिगड़ी पूरे परिवार की तबीयत, सभी अस्पताल में भर्ती

गिरिडीह: बरसात शुरू होते ही झारखंड के विभिन्न स्थानों पर देशी मशरूम (जिसे फूटका, रुगड़ा, खुखड़ी कहते हैं) की बिक्री भी शुरू हो जाती है। इस मशरूम का टेस्ट काफी स्वादिष्ट होता है, ऐसे में इसकी मांग भी बहुत है। इसी तरह के देशी मशरूम को खाने से एक ही परिवार के आधा दर्जन लोग बीमार हो गए हैं। यह मामला जमुआ थाना क्षेत्र के घाघरा गांव का है। बीमार लोगों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जिनमें राजेश वर्मा, मनीता देवी, अभिलाषा कुमारी, सोनम कुमारी, वर्षा कुमारी तथा आयुष कुमार शामिल हैं।

गिरिडीह सदर अस्पताल में इलाजरत राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि उनके ही खेत में मशरूम उगा था। इन मशरूम को घर लाकर पकाया गया, जिसे परिवार के सभी सदस्यों ने खाया। देशी मशरूम खाने के थोड़ी देर के बाद से सभी सदस्यों की तबीयत बिगड़ गई और उल्टी करने लगे। सभी को अस्पताल लाया गया, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है।

बरसात में सावधानी बरते लोग : चिकित्सक सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ पंकज प्रसाद वर्मा ने बताया कि देशी मशरूम खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है। इन्होंने बताया कि अभी बरसात के मौसम में भारी भोजन, बासी भोजन से बचना चाहिए। कहा कि साफ सुथरा भोजन करना है और साफ पानी पीना है। बताया कि वर्तमान में फूड प्वाइजनिंग और लूज मोशन के मरीजों की संख्या बढ़ गई है लोगों को जागरूक होने की जरूरत है।

शिल्पी नेहा तिर्की ने बीएयू के 45वें स्थापना दिवस समारोह का किया उद्घाटन

संवाददाता

रांचीः बिरसा कृषि विश्वविद्यालय बीएयू के 45 वां स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। स्थापना दिवस के मौके पर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय भवन का उद्घाटन भी मंत्री के हाथों किया गया। इसी साल कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय को मान्यता प्राप्त हुई है। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विश्वविद्यालय डिग्री बांटने वाला संस्थान नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने वाला भविष्य को तैयार करने का काम करें। ये शिक्षा असल में अपने समाज, अपने राज्य और अपने देश के हित में होगा।

तिर्की ने कहा कि बिरसा कृषि विश्वविधालय की परिकल्पना उस वक्त की गई थी जब देश में हरित

क्रांति का दौर चल रहा था। किसानों को विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ने की ये महत्वपूर्ण शुरूआत थी। विश्वविद्यालय के निर्माण में बाबा कार्तिक उरांव की अहम भूमिका हम सबके के लिए गौरांवित करने वाला है। मंत्री ने कहा कि संस्थान के सामने कई तरह की चुनौतियां है और उन तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए सरकार तैयार है। सरकार, संस्थान, राजभवन और छात्रों के संयुक्त प्रयास से ही विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाया जा सकता है। यहां व्यक्तिगत स्वार्थ और सोच को दूर रखते हुए विश्वविद्यालय के उद्देश्य को पूर्ण करने की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। मंत्री तिर्की ने कहा कि छोटानागपुर के इस इलाके में कृषि विश्वविधालय निर्माण का उद्देश्य गांव और गांव के लोगों को उन्नत कृषि से जोड़ना और उन्हें प्रगतिशील किसान की श्रेणी में खड़ा करना रहा है। सफलता के साथ समाज के लिए कुछ करने का जज्बा ही ऐसे विश्वविद्यालय में शिक्षा का मूल मंत्र होना चाहिए। स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कांके विधायक ने छात्रों के स्टाईफन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस पर संस्थान और सरकार को सोचने की जरूरत है।

तिर्की ने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बक्कर सिद्दीकी ने कहा कि यूनिवर्सिटी एक पासपोर्ट की तरह है। इसी से छात्रों का भविष्य है। ज्ञान के लिए यूनिवर्सिटी जरूरी है। छात्रों के प्रदर्शन का श्रेय हमेशा यूनिवर्सिटी को जाता है। बच्चों के बगैर यूनिवर्सिटी का औचित्य नहीं है। शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र किसी तरह का कोई समझौता नहीं करना चाहिए। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि शिक्षकों की कमी के बावजूद इस संस्थान के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता अर्जित की है। संस्थान के द्वारा कृषि यंत्रों का निर्माण किया गया है। राज्य भर के करीब 45 हजार किसानों को उन्नत कृषि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा तैयार पुस्तक का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया। इसके साथ ही स्थापना दिवस समारोह में मंच से कई किसानों को सम्मानित भी किया गया। किसानों को सम्मान के तौर प्रशस्ति पत्र के साथ द्व साथ बीज और पौधा दिया गया। इस मौके पर आईसीएआर के निदेशक सुजय रक्षित सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

सुविचार

गीता में कहा गया है जो आपकी भावनाओं को जानकर भी आपको तकलीफ दे वो कभी अपना हो ही नहीं सकता

क्रूर सरकार के शिकार

देश में और महाराष्ट्र में एक के बाद एक ऐसी दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे खुद को 'विकास पुरुष', 'जनता के तारनहार' आदि कहनेवालों की हवा निकल गई है। दुर्घटनाएं हो रही हैं। उनमें लोग अपनी जान गवां रहे हैं, यह सरकार की निष्क्रियता है। महाराष्ट्र में तो बड़ी आपदा आई है। मावल तालुका के कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बना एक लोहे का पुल ढह गया। कम से कम ५-४० पर्यटकों के इसमें बह जाने की खबर धक्कादायक है। पुल पुराना था। उस पर पर्यटकों की भीड़ थी। अधिक भार के कारण यह ढह गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसकी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री का दुख, चिंता और जांच के आदेश दिखावा हैं। वे मगरमच्छ के आंसू हैं। मुख्यमंत्री के कोषाध्यक्ष गिरीश महाजन को मानो ऐसी दुर्घटनाओं का इंतजार रहता है। जब कोई दुर्घटना होती है तो वे तुरंत मृतकों और घायलों के परिवारों को ५-५ लाख रुपए की सहायता की घोषणा करते हैं। सरकारी लापरवाही के कारण जो जान जाती है, उस जान की कीमत गिरीश महाजन पांच-पांच लाख लगाते हैं। लेकिन जान क्यों जा रही है? जान किसकी वजह से जा रही है? इन सवालों का जवाब कौन देगा? इंद्रायणी नदी पर बना पुल पुराना हो चुका है। सरकार ने इसके नवनिर्माण के लिए आठ करोड़ रुपए मंजूर किए। ये आठ करोड़ रुपए कागजों में ही रह गए। चूंकि, सारा पैसा राजनीतिक लाभ वाली योजनाओं पर खर्च हो गया इसलिए राज्य सरकार ने तिजोरी में ठनठन
गोपाल है।परिणामस्वरूप, इंद्रायणी नदी पर बने पुल की मरम्मत नहीं की गई और लोग बह गए। यह सदोष मानव वध का अपराध है। इस पुल दुर्घटना में लोगों की जान लेने वाली सरकार के मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस हैं। पुणे के पालक मंत्री अजीत पवार हैं और मावल जहां यह भयानक दुर्घटना हुई, वहां के विधायक सुनील शेलके, अजीत पवार के खास हैं। विधायक को अपने गांव का जर्जर पुल नहीं दिखाई दिया, लेकिन उन्होंने खुद चुनाव जीतने के लिए सौ करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए। पालक मंत्री के रूप में अजीत पवार पुणे के विकास पर ध्यान देते हैं, पर वास्तव में क्या करते हैं? बिल्डरों और जमींदारों का विकास होता है, लेकिन इंद्रायणी नदी पर बना जर्जर पुल गिर जाता है और लोग बह जाते हैं। गरीबों के ये काम विकास की परिभाषा में फिट नहीं बैठते। महाराष्ट्र दुर्घटनाओं और हादसों की मार झेल रहा है। अमदाबाद विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के १७ लोग मारे गए। केदारनाथ में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में अकोला का एक परिवार मारा गया। गोदावरी नदी में पांच युवक डूब गए। माथेरान में चार्लोट झील में तीन पर्यटक डूब गए।
ही कानों में आ रही हैं। इसी समय राजकोट, मालवण में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के चबूतरे के नीचे की जमीन दरकने की खबर चिंताजनक है। पहले वहां पहली भव्य मूर्ति ढह गई और अब नई मूर्ति के नीचे की जमीन ढह गई है। यह लोक निर्माण विभाग की विफलता है। इधर, इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया और उधर, शिवाजी महाराज की मूर्ति के नीचे का निर्माण खराब हो गया तो वास्तव में इस पर खर्च किए गए करोड़ों रुपए गए कहां? यदि आप इसकी जांच नहीं करानेवाले हैं तो आपकी जांच और छानबीन की घोषणाएं व्यर्थ हैं। मुंबई की लोकल ट्रेन से गिरकर पांच यात्रियों की मौत, इसका दुख और सदमा राज्य को परेशान कर रहा है। इस राज्य में रेलवे, नदियां, सड़कें, हवाई परिवहन सभी असुरक्षित हो गए हैं। अमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद देश पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उस दुख की परवाह किए बिना, प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस जैसे देशों की यात्रा पर चले गए। विमान दुर्घटना में मरनेवालों की चिताएं बुझी नहीं हैं। परिवारों के आंसू नहीं रुके हैं और प्रधानमंत्री अमदाबाद आए और चले गए। महाराष्ट्र के शासकों के बारे में भी यही कहा जा सकता है। अनावश्यक परियोजनाओं पर पैसा बर्बाद करनेवाली सरकार इंद्रायणी नदी पर पुल नहीं बनाती, पल भर में पुल टूट जाता है और लोग जिंदा बह जाते हैं। मुख्यमंत्री अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनके कोषाध्यक्ष मृतकों के लिए पांच लाख के मुआवजे की घोषणा करते हैं। अब यही कहना होगा कि महाराष्ट्र पर निर्दयी इंसान शासन कर रहे हैं।

हिंदी के फडणवीस मास्टर

महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षा का भट्ठा बैठ गया है। फडणवीस सरकार द्वारा पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के पैसले से स्थानीय जनता आहत है, लेकिन सिर्फ आहत होने या हाथ मलने से क्या होगा? कुछ मराठी अभिनेताओं, लेखकों और कवियों ने विरोध के स्वर उठाए हैं, लेकिन वे भी सीमित हैं। जिस तरह से दक्षिण के अभिनेता प्रकाश राज ने वहां की सरकार और केंद्र को चेतावनी दी थी, 'अगर आप हम पर हिंदी थोपेंगे, तो याद रखें। हम एक भाषा के रूप में हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमारी मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और स्वाभिमान है। अगर आप इस पर हमला करते हैं तो याद रखें।' हमारी मराठी भाषा के लिए इस तरह की मशाल लेकर कितने लोग आगे आए हैं? फडणवीस और अन्य लोगों के दबाव में, तथाकथित मराठीभाषी लेखक और कलाकार मंडलियों का दम घुट गया है या सरकार के लाभार्थी बनने के चलते 'लाडली बहनों' की तरह ये सभी लोग लाडले कलाकार, लाडले लेखक बन गए हैं। अब कवि हेमंत दिवटे ने इस हिंदी अनिवार्यता के विरोध में महाराष्ट्र सरकार का पुरस्कार लौटाने का पैसला किया है। बेशक, भाजपा काल में 'पद्म' पुरस्कार आदि के लाभार्थी बने 'मराठी' दिग्गज, जो 'ये भूषण' या 'वो भूषण' पुरस्कार से पुरस्कृत हुए हैं, वे इस हमले के खिलाफ मुंह सिलकर बैठे हैं। यानी नाना पाटेकर से लेकर माधुरी दीक्षित तक और सचिन तेंदुलकर से लेकर सुनील गावस्कर तक, सभी मराठी लोगों को इस अनिवार्यता को गंभीरता से देखने की जरूरत है, लेकिन ये सभी ठहरे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर ख्याति प्राप्त लोग। भले ही ये लोग मराठी की गोद में पैदा हुए, लेकिन अब दुनिया के बन गए इसलिए भले ही मातृभाषा पर गाज गिरे इनकी बला से। कम से कम मराठी फिल्म और नाटक कलाकारों को इस अनिवार्यता के खिलाफ आगे आना चाहिए, लेकिन वे भी नहीं हैं। मूलरूप से केंद्र जो कुछ 'त्रिभाषा' फॉर्मूला लाया है, वह एक पेच है और राज्यों की बन चुका है। केंद्र में बैठे शासकों ने अपने ही राज्य गुजरात में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने खुद गुजरात की स्कूली शिक्षा से हिंदी को हटाया, लेकिन उन्होंने मुंबई-महाराष्ट्र की मराठी भाषा और संस्कृति को मिटाने के लिए स्कूली शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य कर दिया। मूलतः, मुंबई या महाराष्ट्र जैसे राज्यों में स्कूली शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस देश का प्रधानमंत्री बिहार की सार्वजनिक सभा में अंग्रेजी भाषण देता है और कनाडा, साइप्रस, क्रोएशिया जैसे देशों में जाकर वहां के राष्ट्राध्यक्षों से हिंदी में तारे तोड़ता है, यहां तक कि राष्ट्रपति ट्रंप से भी हिंदी में बात करता है, उस देश में हिंदी को अनिवार्य करने की कोई आवश्यकता नहीं है। चूंकि हिंदी भाषी राज्यों का राजनीति में वर्चस्व है तो वे इस वर्चस्व को दूसरों पर क्यों थोपें? हिंदी साहित्य, कला और संस्कृति का विकास लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, भोपाल की बजाय मुंबई में हुआ। हिंदी सिनेमा, हिंदी संगीत, हिंदी कलाकारों का मायका है मुंबई। इसलिए यहां हिंदी का प्रचलन है, पर यदि हिंदी का यह प्रचलन मराठी भाषा की जड़ों पर प्रहार करता हो तो इससे स्थानीय जनता का आंदोलित होना स्वाभाविक है। हिंदी देश की संपर्क भाषा है, लेकिन हिंदी को राज भाषा या राष्ट्र भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। भारतीय संविधान में ऐसा कोई संदर्भ नहीं है। डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'भाषा के आधार पर लोगों को विभाजित करना सही नहीं है। हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने से अन्य भाषाई समुदायों में असंतोष पैदा होगा और इससे देश की एकता को खतरा होगा।' डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहना चाहते थे कि किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जा सकती। मुंबई में हिंदी सिनेमा का दबदबा है, लेकिन मराठी सिनेमा को थिएटर नहीं मिलते इसलिए हमने हिंदी फिल्मों को उतरवाया नहीं है। मराठी को भी मान-सम्मान मिलना चाहिए

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है।

उमेश चतुर्वेदी

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा। किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं। अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद का मुख्यालय महाराष्ट्र के वर्धा में है और महाराष्ट्र में ही हिंदी को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है। राजभाषा विभाग के कई उद्देश्य हैं, जिनमें राज्य विशेष के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा से भिन्न किसी अन्य भाषा का सीमित प्रयोग शुरू कराने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पाना, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए हिंदी शिक्षण योजना चलाना, जरूरी पत्र-पत्रिकाओं और संबंधित साहित्य का प्रकाशन आदि है। राजभाषा विभाग ने इन मोर्चों पर काम किया भी है। लेकिन राजभाषा विभाग को इससे इतर भी भूमिका तलाशनी होगी। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही आम लोगों की हिंदी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को तोड़ने की दिशा में भी राजभाषा विभाग से प्रयास की उम्मीद की जाती है। चूंकि हिंदीप्रेमी अमित शाह गृहमंत्री हैं, लिहाजा राजभाषा विभाग को अपनी इस भूमिका के लिए शासन से जरूरी सहयोग मिल सकता है। अपनी पचासवीं सालगिरह पर राजभाषा विभाग को इस दिशा में सोचना होगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच भारत की भूमिका

भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं।

प्रहलाद सबनानी

रूस-यूक्रेन एवं इजराइल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराइल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं।

वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराइल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराइल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे-छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं। चूंकि इजराइल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराइल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराइल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हमास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराइल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ोसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराइल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराइल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराइल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराइल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराइल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराइल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में "वसुधैव कुटुम्बकम"; "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" एवं "सर्वे भवंतु सुखिनः" की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज चार करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराइल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता। उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झोंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही "वसुधैव कुटुम्बकम" की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

(लेखक, वरिष्ठ आर्थिक विश्लेषक हैं।)

जगन्नाथ भगवान की रथ यात्रा में क्यों शामिल किए जाते हैं हाथी?

अध्यात्म

ओडिशा के पुरी सहित देश भर में आज भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरे उत्साह के साथ निकाली जा रही है। हिंदू धर्म में इस यात्रा का अत्यधिक महत्व है, और इसी कारण इसमें शामिल हर वस्तु या जीव का सीधा संबंध भगवान जगन्नाथ से माना जाता है, जिससे वे अपने आप में खास बन जाते हैं। इन्हीं में से एक है हाथी, जिसे हिंदू धर्म में गजानन के नाम से जाना जाता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन का महत्व

जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन (हाथी) का महत्व कई मायनों में देखा जाता है, जो पौराणिक कथाओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जुड़ा है

भगवान जगन्नाथ का गजानन वेशः रथ यात्रा से पहले, ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ 'स्नान यात्रा' करते हैं। मान्यता है कि इस स्नान के बाद वे अस्वस्थ हो जाते हैं और 15 दिनों के लिए एकांतवास (अनवसर) में चले जाते हैं। इसी दौरान वे 'गजानन वेश' या 'गणेश वेश' धारण करते हैं। इसके पीछे कई कथाएं प्रचलित हैं।

1) गणपति भट्ट की भक्तिः एक बार भगवान गणेश के परम भक्त गणपति भट्ट दक्षिण भारत से पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने आए। वे भगवान जगन्नाथ में अपने गणेश जी को देखना चाहते थे। भक्तों की इच्छा पूरी करने वाले भगवान जगन्नाथ ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर गजानन वेश धारण किया, जिससे गणपति भट्ट भाव-विभोर हो गए। यह भगवान की

भक्तवत्सलता को दर्शाता है।

2) गणेश चतुर्थी से संबंधः कुछ मान्यताओं के अनुसार, एक बार रथ यात्रा की तिथि पर ही गणेश चतुर्थी पड़ गई थी। चूंकि गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और सभी विघ्नों को दूर करते हैं, उनकी उपेक्षा से बचने और रथ यात्रा को निर्विघ्न संपन्न करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने गजानन वेश धारण किया। पुरी में आज भी इस घटना की स्मृति में भगवान जगन्नाथ का गणेश वेश पर्व मनाया जाता है।

जानिए कुछ रोचक बातें

रथ यात्रा में हाथियों की भूमिका
रथ यात्रा के दौरान भव्य जुलूस में हाथी भी शामिल होते हैं। ये हाथी शोभायात्रा का हिस्सा होते हैं और अपनी विशालता व गरिमा से यात्रा को और अधिक भव्य बनाते हैं। जगन्नाथ रथ यात्रा में गजानन का महत्व न केवल भगवान जगन्नाथ द्वारा धारण किए गए विशेष वेश से है जो उनकी भक्तवत्सलता और विघ्नहर्ता स्वरूप को दर्शाता है, बल्कि रथ यात्रा की शोभा बढ़ाने वाले हाथियों की पारंपरिक उपस्थिति से भी है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

रथ यात्रा पर पूजा -अर्चना को लेकर बाबा बासुकीनाथ में उमड़ी भीड

संवाददाता

बासुकीनाथ : रथ यात्रा पर विश्वप्रसिद्ध शिवनगरी बासुकीनाथ मंदिर में पूजा अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में जलार्पण किया। बासुकीनाथ मंदिर प्रशासन ने रथयात्रा के दिन उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण कर सुलभ तरीके से जलार्पण करने को लेकर विशेष व्यवस्था किया था । आगंतुक सभी श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर गर्भगृह में प्रवेश कर बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण किया । पांच बजे सुबह से लेकर पांच बजे संध्या तक लगभग चालीस हजार श्रद्धालुओं ने जलार्पण कर अपने अपने परिजयों के लिए सुख समृद्धि का बाबा बासुकीनाथ से आशीर्वाद मांगा । दर्जनों आगंतुक श्रद्धालुओं ने अपने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया । संध्या आठ बजे तक आगंतुक श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ मंदिर के गर्भगृह में पूजा अर्चना किया ।

रथ यात्रा पर शिवनगरी बासुकीनाथ में निकली भव्य रथयात्रा

बासुकीनाथ : बासुकीनाथ मंदिर परिसर में शुक्रवार रथयात्रा के दिन प्रसिद्ध बाबा बासुकीनाथ मंदिर परिसर स्थित ठाकुरबाड़ी से बाजे गाजे के साथ भव्य रथयात्रा निकाली गई । भगवान श्रीकृष्ण श्री राधारानी के साथ भव्य रुप से निर्मित रथ पर सवार होकर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण को निकले ।
रथयात्रा में दर्जनों श्रद्धालु सहित बासुकिनाथ मंदिर के तीर्थपुरोहितों एवं दर्जनों नगर निवासियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । भगवान जी की एक झलक पाने और प्रसाद ग्रहण करने को लेकर सैकड़ों नगर निवासी रथयात्रा मार्ग में खड़े होकर रथ में सवार भगवान की दर्शन पाने को आतुर दिखे । नगर भ्रमण एवं नगर निवासियों को अपना पावन दर्शन के बाद भगवान श्रीकृष्ण अपने निज मंदिर ठाकुरबाड़ी में वापस लौट गए ।

निशुल्क पौधा वितरण पर संकट, सरकारी नर्सरी में कीमत बढ़ने से बढ़ी मुश्किलें

पूर्वी सिंहभूम : पिछले दो दशकों से लगातार निशुल्क पौधा वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। संगठन के सदस्य सुनील आनंद ने शुक्रवार को बताया कि उनकी संस्था पिछले 20 वर्षों में ढाई लाख से भी ज्यादा पौधे का वितरण कर चुकी है। पौधे वन विभाग की नर्सरी से उचित मूल्य देकर खरीदे जाते थे, जिनकी कीमत पहले पांच, 10 और 15 तक हुआ करती थी। संस्था हमेशा पौधे का मूल्य चुकाकर ही वितरण करती रही है। लेकिन हाल ही में सरकारी नर्सरी में पौधों की कीमत बढ़कर 30 रुपये प्रति पौधा हो जाने से निशुल्क वितरण करना कठिन हो गया है। सुनील आनंद ने कहा कि पौधों का वितरण मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है, जहां आर्थिक संसाधन सीमित होते हैं। ऐसे में संस्था ने सरकार से अपील की है कि पर्यावरण बचाने के इस पुनीत कार्य को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए उन्हें कम से कम कीमत पर पौधे उपलब्ध कराए जाएं।

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ने किया मंडल कारा का निरीक्षण ,बंदियों की सुनी समस्याएं

संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने आज मंडल कारा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का दौरा कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, भोजन की व्यवस्था तथा मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के केस में जमानत या अपील दायर नहीं की गई है या अधिवक्ता नहीं रख सकते हैं उन्हें निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्रदान कर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए

उन्होंने जेल परिसर, विशेषकर शौचालयों की सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित के लिए कारा कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए गए। महिला बैरक जाकर महिला बंदियों से मुलाकात की और उनकी समस्या सुनी। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि प्रेणादायक शिक्षापरक रोजगारपरक शिविरों का आयोजन कर बंदियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपराध की दुनिया को छोड़ कर जेल से बाहर निकलने के बाद आत्मनिर्भर बन सकें। न्यायाधीश ने पुस्तकालय, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता सहित जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं और इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने बंदियों से कहा कि आप सभी किसी न किसी अपराध के आरोप में जेल में हैं। यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें। अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें। न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि वे बंदियों को मानसिक और नैतिक सुधार की दिशा में प्रेरित करें और समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें। जिससे ये समाज की मुख्यधारा में वापस लौट सकें। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, कारा अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन जेलर मनोज मुर्मू एवं चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल और उनकी टीम व अन्य मौजूद थे।

हुल दिवस में हजारों कार्यकर्ता होंगे शामिल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में हुल दिवस मनाने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए जिसमें राजमहल विधायक प्रतिनिधि सह युवा मोर्चा के जिला सचिव मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू भी शामिल थे। बैठक के दौरान, उपस्थित कार्यकताओं ने बारी-बारी से अपने विचार रखे। राजमहल विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू ने इस अवसर पर कहा कि कोई भी कार्यकर्ता छोटा या बड़ा नहीं होता है, सभी झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिपाही हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हुल दिवस को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। केंद्र कमेटी के निदेर्शानुसार, प्रखंड स्तरीय बैठक कर हुल दिवस को सफल बनाने के लिए विचार-विमर्श करने का निर्देश प्राप्त हुआ है।

गुड्डू ने जानकारी दी कि राजमहल और उधवा प्रखंड से हजारों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ष प्रत्येक पंचायत से सैकड़ों लोग उत्साह के साथ हुल दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि बरहेट के पंचकठिया से सभा स्थल तक हजारों की संख्या में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं, प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ ने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे 30 जून को सुबह 8 बजे तक प्रखंड मुख्यालय पहुंच जाएं, ताकि सभी कार्यकर्ता एक साथ कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हो सकें।

उधवा चौक पर लगा विद्युत शिविर, उपभोक्ताओं की समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट हुआ समाधान

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाःविद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल राजमहल द्वारा शुक्रवार को उधवा चौक पर विद्युत शिविर का आयोजन किया गया। जहां सुबह से ही विभिन्न क्षेत्रों से आए उपभोक्ता अपनी बिजली बिल की शिकायतों, मीटर रीडिंग की समस्याओं और अन्य तकनीकी दिक्कतों को लेकर शिविर में जुटने लगे थे। बिजली विभाग के अनुभवी कर्मियों ने पूरी तत्परता के साथ बारी-बारी से सभी उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना और मौके पर ही ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक भाग-दौड़ से मुक्ति मिली। कई उपभोक्ताओं ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी बिजली बकाया राशि भी शिविर में ही जमा की। कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को आ रही दिक्कतों को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिविर में दर्जनों उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित समस्याओं का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। जिससे उन्हें काफी राहत मिली। इस शिविर को सफल बनाने में लाइनमैन नंदलाल मांझी, कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार ठाकुर, लाइनमैन पूरन साहा, शौकत शेख, इस्लाम शेख, रविंद्र मंडल, ऊर्जा साथी प्रत्युष रंजन सहित विद्युत विभाग के अन्य कर्मी मौजूद थे।

उधवा चौक बाजार में लग रहे जाम से परेशानी

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा चौक बाजार की सड़क जाम की समस्या अब एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। आए दिन इस व्यस्त चौक पर आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है।जिससे लोगों का बाजार पार करना तक मुश्किल हो रहा है। शुक्रवार को सुबह भी भीषण जाम की स्थिति बनी रही, जिसने स्थानीय लोगों और यात्रियों को खासा परेशान किया। उधवा चौक से होकर प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। इसमें बड़ी-बड़ी हाईवा गाड़ियाँ भी शामिल हैं, जो पत्थर, चिप्स, गिट्टी, बालू और अन्य निर्माण सामग्री लेकर गुजरती हैं। इन भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़क जाम होना अब एक नियति सा बन गया है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से प्रशासन इस गंभीर स्थिति से बेखबर प्रतीत होता है। समस्या केवल वाहनों की अधिकता तक सीमित नहीं है। यह चौक बरहरवा राजमहल और फरक्का जाने वाले यात्रियों के लिए एक प्रमुख पड़ाव है, जहाँ से

प्रतिदिन सैकड़ों यात्री बस, टेंपो और ई-रिक्शा पकड़कर गुजरते हैं। वाहनों की भारी भीड़ के बावजूद, उधवा में आवागमन अक्सर बाधित रहता है। जाम का एक और मुख्य कारण उधवा चौक पर ठेला और फुटपाथी दुकानों का बेतरतीब ढंग से लगा होना है, जिससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बनी रहती है।

सड़क पर ही बनता है अस्थायी स्टैंडः उधवा चौक बाजार में बसों और टेंपो के लिए स्थायी स्टैंड न होना भी जाम का एक प्रमुख कारण है। सार्वजनिक परिवहन के ये साधन सड़क पर ही खड़े होकर यात्रियों को उतारते-चढ़ाते हैं, जिससे यातायात प्रवाह में बाधा उत्पन्न होती है। ग्राहकों की मोटरसाइ किलें भी सड़क पर ही बेतरतीब ढंग से पार्क की जाती हैं, जो जाम को और बढ़ाती हैं। प्रशासन को इस गंभीर और बढ़ती हुई समस्या पर तत्काल ध्यान देते हुए प्रभावी समाधान निकालने की आवश्यकता है, ताकि उधवा चौक पर सुचारु यातायात व्यवस्था बहाल की जा सके और आमजनों को रोजमर्रा की इस परेशानी से मुक्ति मिल सके।

तोरपा के रथ मेला में डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

खूंटी : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली झालसा रांची के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रथ यात्रा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान में मेला में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क अधिवक्ता, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, लेबर कार्ड, जॉब कार्ड, बच्चों से जुड़े अधिकार, महिलाओं से जुड़े अधिकार, वृद्धा पेंशन योजना, प्रोजेक्ट शिशु योजना, पुलिस से जुड़े महिलाओं के अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित लोगों को कानूनी अधिकार से जुड़े पर्चे भी बांटे गए। कार्यक्रम में डालसा के पीएलवी, अंजू कच्छप,, नरेश कुमार महतो के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

जर्जर स्कूल भवन : मौत को दावत देते हुए पेड़ के नीचे शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर बच्चे

बारिश के मौसम में पेड़ के नीचे आसमानी बिजली का जानलेवा खतरा

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता का ग्रामीण ने लगाया आरोप

संवाददाता

चतराः जिले के प्रतापपुर प्रखंड के टंडवा पंचायत में स्थित जमुआ गांव का उत्क्रमित मध्य विद्यालय (यूएमएस जमुआ) बदहाली की ऐसी तस्वीर पेश कर

रहा है, जहां जर्जर और जानलेवा भवन के कारण नौनिहाल बच्चे पेड़ों की छांव में बैठकर शिक्षा की ज्योत जलाने को संघर्ष कर रहे हैं। बरसात के इस मौसम में खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करना उनके लिए मौत को दावत देने के बराबर हो सकता है। पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ना, खासकर बरसात के मौसम में, बच्चों के लिए सीधे तौर पर जानलेवा है। आकाशीय बिजली गिरने का खतरा हर पल बना रहता है, जो किसी भी क्षण एक बड़ा हादसा बनकर इन मासूमों की जान ले सकता है। स्कूल का भवन इतना पुराना और खराब हो चुका है कि इसकी छत और दीवारें कभी भी गिर सकती हैं, जिससे बच्चों को अंदर पढ़ाना असंभव है। इस गंभीर समस्या को लेकर शिक्षक से लेकर परिजनों तक ने कई बार अधिकारियों, नेताओं और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई है, लेकिन सभी बेसुध बने हुए हैं। किसी ने भी अब तक इन बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की ओर ध्यान नहीं दिया है। यह स्थिति सरकार के शिक्षा पर करोड़ों खर्च करने के दावों पर सवाल उठाती है और दिखाता है कि जमीनी स्तर पर क्या हकीकत है।

रिपोर्ट सौंपी गई, अब आदेश का इंतजारः राहत की बात यह है कि इस गंभीर मामले की जांच पड़ताल कर वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपी गई है। अब उम्मीद की जा रही है कि आदेश मिलने के बाद जल्द ही नए भवन का निर्माण कार्य शुरू होगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस समस्या पर संज्ञान लेगा और जमुआ के बच्चों को एक सुरक्षित और बेहतर माहौल में शिक्षा का अधिकार मिल पाएगा, ताकि उन्हें जान का जोखिम उठाकर पढ़ाई न करनी पड़े।

न्यूज IN बिजनेस

राजकीय श्रावणी मेला 2025 को लेकर हुआ सांस्कृतिक दलों का चयन

दुमकाः राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के अंतर्गत बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सांस्कृतिक दलों का चयन एवं ग्रेडिंग कार्यक्रम इंडोर स्टेडियम, दुमका में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 35 सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया। दल चयन प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक लाइट एवं साउंड सिस्टम के बीच अपनी-अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में निर्णायक मंडली के रूप में उपनिदेशक जनसंपर्क सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कंडुलना, जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार, चुंडा सोरेन, सुशील कुमार सिंह, तथा जीवन ज्योति चक्रवर्ती उपस्थित रहे। निर्णायकों ने दलों के प्रदर्शन की गुणवत्ता, सांस्कृतिक प्रस्तुति की मौलिकता एवं प्रभावशीलता के आधार पर मूल्यांकन किया। चयनित दलों को श्रावणी मेले के दौरान बासुकीनाथ धाम में मंच प्रदान किया जाएगा, जहां वे हजारों श्रद्धालुओं के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

उपद्रवियों ने घर पर की आठ राउंड गोलीबारी, एक घायल, रेफर

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरुगढ़, गैस गोदाम में शुक्रवार की रात मिथुन पासवान पिता नवल किशोर पासवान के घर पर बदमाशों ने लगभग 8 राउंड गोलीबारी की। इस दौरान एक गोली मिथुन पासवान के पीछे कमर के निचले हिस्से में गोली जा लगी। बताया जा रहा है कि वारदात उस समय हुई जब मिथुन के घर में बर्थडे पार्टी मनाया जा रहा था। इसी बीच बदमाशों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जिससे वहां अफरातफरी मच गई। वारदात के बाद सभी बदमाश फरार हो गए। इधर परिजनों ने घायल मिथुन पासवान को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इधर सदर अस्पताल में घायल मिथुन पासवान ने बताया कि रात लगभग 9 बजे घर के दरवाजे पर थे। अचानक छोटू पासवान, दीपक पासवान, पलटू पासवान, सलटू पासवान, मिथुन पासवान व अन्य ने भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। छोटू पासवान के राइफल से फायर की गई।गोली उसके कमर में लग गई। उक्त सभी लोग गोलीबारी करते रहते है। इधर बताया जा रहा है कि पुलिस ने मौके पर पहुंच छोटू पासवान, दीपक पासवान व अर्जुन पासवान को दबोच लिया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालिका कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर पीहू कुमारी हरिद्वार रवाना

साहिबगंजःभारतीय कबड्डी संघ द्वारा हरिद्वार उत्तराखंड में 28 जून से 01 जुलाई 2025 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालिका कबड्डी प्रतियोगिता हेतु झारखण्ड बालिका कबड्डी में शामिल हो पीहू कुमारी हरिद्वार रवाना हुई।ज्ञात हो बोकारो में आयोजित कबड्डी एसोसियेशन ऑफ झारखंड द्वारा गत दिनों आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पीहू कुमारी का चयन राज्य टीम में किया गया है। पीहू कुमारी को उपायुक्त हेमंत सती ,जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

हत्याकांड के फरार आरोपी के घर बैंड बाजा के साथ पहुंची पुलिस ,चिपकाया इश्तेहार

साहिबगंजःमुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हाजीपुर दियारा हत्या कांड के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर मुफ्फसिल पुलिस बैंड बाजा लेकर पहुंची पुलिस ने इश्तेहार चिपका कर चेतावनी दिया।बैंड बाजा के साथ जैसे ही पुलिस आरोपी के घर पहुंची,उसे देखने के लिए ग्रामीणो की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान एसआई ददन कुमार साह ने बताया कि हत्या आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है। जिसके बाद कोर्ट के आदेश के बाद इश्तेहार निकाला गया है। शुक्रवार को पुलिस आरोपी के घर कोर्ट का ऑर्डर लगाने के लिए पहुंची हैं। उक्त इश्तेहार में कहा गया है,कि आरोपी 15 दिनों के अंदर खुद को सरेंडर करें नहीं तो घर की कुर्की कर घर पर बुलडोजर चला दिया जाएगा। मामला जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हाजीपुर पश्चिमी पंचायत स्थित हाजीपुर दियारा गांव का है।जहां दिसंबर 2024 में भूपनरायण रजक की आपसी विवाद में हत्या कर दी गई थी।इस मामले में मृतक का पुत्र धर्मेंद्र रजक ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए दिलीप रजक समेत नौ नामजद को आरोपी बनाया था।इस मामले में पुलिस ने पूर्व में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जबकि घटना का मुख्य आरोपित दिलीप रजक समेत मोसमात विमला देवी,सचिन रजक,आशीष रजक,बबीता देवी,स्वाती कुमारी,फरार चल रहा है।

गिनीज बुक में नाम दर्ज कर चुके पेंटर वैभव लोगों को सिखाएंगे चित्रकारी

रामगढ़ : पेंटिंग के क्षेत्र में अपना लोहा मनवा चुके वैभव शर्मा अब इस कलाकारी को आगे बढ़ना चाहते हैं। गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करने के बाद वे चाहते हैं कि रामगढ़ जिले से और भी पेंटर इस क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमाएं। इसी उद्देश्य से उन्होंने रामगढ़ शहर में पेंटिंग केंद्र खोला है। शुक्रवार को सांसद प्रतिनिधि सह छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह ने इस पेंटिंग सेंटर का उद्घाटन किया। सरदार अनमोल सिंह ने कहा कि गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कर वैभव ने इस जिले का ही नहीं, बल्कि झारखंड का भी नाम रोशन किया है। उनके अनुभवों का लाभ नए कलाकारों को मिलेगा तो वे और भी आगे बढ़कर कलाकारी दिखा पाएंगे। कलाकारी का क्षेत्र ऐसा है कि इंसान पूरी जिंदगी सीखाता रहता है। नई पीढ़ी को एक सफल व्यक्ति के अनुभव से सीखना भी चाहिए। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष मनमोहन सिंह लांबा, संतोष कुमार, मो रियाज, अरुण शर्मा, मो कलाम सहित काफी लोग उपस्थित थे।

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड रैंकिंग में फिर हासिल किया शीर्ष स्थान, अरशद नदीम चौथे नंबर पर

नई दिल्ली : भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। इस सप्ताह वर्ल्ड एथलेटिक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा रैंकिंग में नीरज ने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान दोबारा प्राप्त किया। पिछले साल 17 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल जीतने के बाद पीटर्स ने नीरज से नंबर-1 स्थान छीना था। लेकिन लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीरज ने फिर से बाज़ी मार ली। ताजा रैंकिंग के अनुसार, नीरज के 1445 अंक हैं जबकि पीटर्स 1431 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जर्मनी के जूलियन वेबर 1407 अंकों के साथ तीसरे और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा इस साल सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पॉटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर की थ्रो के साथ जीत दर्ज की। इसके बाद मई में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर की थ्रो फेंकी, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो रही। हालांकि वे इस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, क्योंकि जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर की थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद पोलैंड के चोरज़ो में जनुश कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) वेबर (86.12 मीटर) से पीछे रहे। लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए 88.16 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। मंगलवार को उन्होंने अपने सीजन की तीसरी जीत चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में दर्ज की, जहां उन्होंने एक बार फिर 88.16 मीटर की दूरी तय की। नीरज चोपड़ा का अगला मुकाबला 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने जा रहे पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में होगा।

हेज़लवुड की घातक गेंदबाज़ी, ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन में ही जीता टेस्ट, वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) : ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेज़लवुड (5/43) की घातक गेंदबाज़ी के दम पर वेस्टइंडीज को बारबाडोस टेस्ट के तीसरे दिन ही शुक्रवार को 159 रनों से हराकर सीरीज़ में शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी अंतिम सत्र में ही सिमट गई, जिसमें आखिरी दो विकेट नाथन लायन ने लगातार दो गेंदों पर लेकर मुकाबले का अंत किया। शमर जोसेफ के आक्रामक तेवर और जस्टिन ग्रीव्स की रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की बदौलत एक समय ऐसा लगा कि मैच चौथे दिन तक खींचेगा, हालांकि, शमर जोसेफ स्लिप में और जेडन सील्स शॉर्ट लेग पर आउट हुए, जिससे मैच का अंत उसी शाम हो गया।

हेड को मिला 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार

ट्रैविस हेड को दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने मुश्किल पिच पर साहसिक बल्लेबाज़ी की और वेस्टइंडीज की खराब फील्डिंग से भी लाभ उठाया। मैच में वेस्टइंडीज ने 7 कैच छोड़े।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में कैरी, वेबस्टर और हेड चमके

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में एलेक्स कैरी (65), ब्यू वेबस्टर (63) और ट्रैविस हेड (61) ने अहम पारियां खेलीं। कैरी ने केवल 40 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें कुछ दर्शनीय स्ट्रोक भी शामिल थे। उन्होंने शमर जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए सीधे छक्के भी लगाए।

हेज़लवुड ने झटके अहम विकेट, लायन ने किया अंत

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में हेज़लवुड ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया। उन्होंने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग और जॉन कैम्पबेल को आउट किया, जबकि रॉस्टन चेस और केसी कार्टी को भी चलता किया। कप्तान पैट कमिंस को भी एक कम गेंद पर शाई होप का विकेट मिला, जो अंदर की ओर आई गेंद पर बोल्ड हो गए। मर्नस लाबुशेन ने एक सटीक थ्रो से अल्जारी जोसेफ को रनआउट किया, जबकि लायन ने आखिरी दो विकेट लेकर मैच समाप्त किया।

शमर जोसेफ की संघर्षपूर्ण पारी और गेंदबाज़ी

वेस्टइंडीज की तरफ से शमर जोसेफ ने 44 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली और दूसरी पारी में 5 विकेट भी चटकाए, लेकिन उनका यह प्रदर्शन हार को नहीं टाल सका। उन्होंने मैच में सबसे ज्यादा ओवर भी फेंके।

स्कोरकार्ड संक्षेप में:

ऑस्ट्रेलियाः 180 & 310
(कैरी 65, वेबस्टर 63, हेड 61, शमर जोसेफ 5/87)
वेस्टइंडीजः 190 & 141
(शमर जोसेफ 44, हेज़लवुड 5/43)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया।

जीएमआर आरपीएल सीजन 1 में पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर रही हैदराबाद हीरोज

मुंबई : हैदराबाद हीरोज जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के सीजन 1 के लीग चरण को पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान के साथ समाप्त करेगी क्योंकि उन्होंने इस चरण में अपने अभियान का समापन शुक्रवार को शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मुंबई में 31-7 की शानदार जीत के साथ किया। शनिवार को हैदराबाद हीरोज चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेगी। हैदराबाद हीरोज ने बिजली की गति से शुरुआत की और पहले ही मिनट में स्कोरबोर्ड पर अंक जोड़ दिए। सुकुमार हेम्ब्रोम ने दमदार प्रयास से ट्राई हासिल की और टेरियो टामानी ने इसे आसानी से कन्वर्ट कर दिया। दिल्ली रेड्ज़ शुरू में हैरान रह गई, लेकिन पेनल्टी ट्राई के ज़रिए वापसी की। हीरोज़ ने दर्शनीय खेल दिखाने का मन बना लिया था और पहले हाफ के खत्म होने से पहले टेरियो टामानी ने शानदार मूव के जरिए संबित प्रधान को ट्राई के लिए सेट किया। प्रधान ने ट्राई की और जल्द ही जोजी नासोवा ने भी स्कोर किया, दोनों प्रयासों को टामानी ने कन्वर्ट कर दिया। हाफ टाइम तक हीरोज़ 21-7 की बढ़त में थे। ब्रेक के बाद भी हीरोज़ का दबदबा जारी रहा, जब लाउटारो वेल्ज़ ने आसानी से ट्राई की और पांच और अंक जोड़ दिए। अंतिम क्वार्टर में मैनुएल मोरेनो ने एक और ट्राई की और जीत पर मुहर लगा दी।

हाउसफुल-5 में

अक्षय कुमार के साथ काम करने के अनुभव को लेकर चित्रांगदा सिंह की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए हाउसफुल-5 में अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने के अनुभव को साझा किया। हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने पर चित्रांगदा ने बताया कि जो पहले औपचारिक कामकाजी रिश्ता था, वह अब एक अच्छी दोस्ती में बदल गया है। खिलाड़ी कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, मुझे लगता है कि वह खुद का मनोरंजन करने के लिए सेट पर शरारतें करते हैं। वह खुद बोर हो जाते हैं। लेकिन, उनकी एनर्जी बिल्कुल वैसी ही है, जैसी पिछली फिल्म के दौरान थी। जब मैंने पिछली बार उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच में इतनी दोस्ती नहीं थी। वह रिश्ता औपचारिक भी था। अब हम दोस्त बन गए हैं। अभिनेत्री उनके मिलनसार और मार्गदर्शक स्वभाव के बारे में तारीफ करते हुए कहती हैं कि अक्षय व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत मदद करते हैं। मुझे लगता है कि मैं किसी भी सलाह के लिए उन्हें कभी भी कॉल कर सकती हूं। यहां तक ??कि सेट पर भी, वह मुझे बहुत समझाते रहते हैं। मैं उनसे अक्सर पूछती रहती थी, क्या मुझे यह अलग तरीके से करना चाहिए? क्या यह बहुत ज्यादा है? क्या मुझे कम काम करना चाहिए? चित्रांगदा सिंह ने 2011 में निर्देशक डेविड धवन के बेटे रोहित धवन द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म देसी बॉयज में अक्षय कुमार के साथ काम किया था, जिसमें जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी थे। तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें दो क्लाइमेक्स हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है। 'हाउसफुल' सीरीज की पहली फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी। दूसरी फिल्म 2012 में आई। इन दोनों का निर्देशन साजिद खान ने किया था। 'हाउसफुल 3' 2016 में रिलीज हुई, जिसे साजिद-फरहाद ने निर्देशित किया। चौथी फिल्म 2019 में आई और इसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था।

शेखर कपूर का आत्ममंथन, मैं भी कहानी लिखते समय सिजोफ्रेनिक होता हूं?

दिग्गज फिल्म निर्माता शेखर कपूर ने रचनात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य और कलात्मक प्रतिभा के आपसी संबंध पर अपने विचार साझा किए हैं। साथ ही आत्ममंथन करते हुए सवाल किया कि जब वह कहानी लिखते हैं, तो उस दुनिया में खो जाते हैं, क्या ऐसा करके

वह सिजोफ्रेनिक हैं? शेखर कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने मशहूर पेंटिंग स्टारी नाइट के बारे में बात की। यह पेंटिंग महान कलाकार विंसेंट वैन गॉग ने बनाई थी। उन्होंने कहा, स्टारी नाइट दुनिया की सबसे कीमती और मशहूर पेंटिंग में से एक है। लेकिन, इस पेंटिंग के पीछे की सच्चाई यह है कि वैन गॉग ने इसे उस समय बनाया था, जब वह मानसिक रूप से बहुत परेशान थे और अस्पताल में भर्ती थे। शेखर ने अपने अनुभव से बताया कि जब वह कहानी बनाते हैं, तो वह पूरी तरह उस दुनिया में चले जाते हैं, लेकिन काम पूरा होने के बाद वह फिर से सामान्य जिंदगी में लौट आते हैं। वैन गॉग जैसे कई कलाकारों के लिए यह वापस लौटना मुश्किल था। वह अपनी मानसिक परेशानी से बाहर नहीं आ पाए। शेखर कपूर ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों से गहरी सोच अपनाने की अपील की है। उन्होंने सवाल उठाया कि हम जिसे सामान्य और बीमारी कहते हैं, उसकी परिभाषा क्या वाकई सही है?

मेरे ससुराल वाले दुनिया के सबसे अच्छे लोग, सोनाक्षी सिन्हा ने गिनाई वजह

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल की शादी को सोमवार को एक साल पूरा हो गया। इस मौके पर सोनाक्षी ने कहा कि उनके ससुराल वाले दुनिया के सबसे अच्छे लोग हैं। वे उन्हें खूब प्यार करते हैं और हर वक्त उनका साथ देते हैं। सोनाक्षी ने अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सभी सालगिरह का जश्न मनाते दिख रहे हैं। तस्वीर में जहीर इकबाल बैठे हुए हैं और उनके चारों तरफ पिंक, सिल्वर और वाइट कलर के गुब्बारे लगे हुए हैं। उन गुब्बारों पर लिखा है, वी लव यू। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, दुनिया के सबसे अच्छे ससुराल वाले, पहले तो मुझे यह लड़का दियाज फिर ढेर सारा प्यार दिया। सोनाक्षी और जहीर की शादी 23 जून को मुंबई में हुई। उनकी पहली मुलाकात एक पार्टी में हुई थी, जो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रखी थी। दिलचस्प बात यह है कि सोनाक्षी और जहीर, दोनों ने ही अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान के साथ ही की थी। सोनाक्षी ने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान के साथ सुपरहिट फिल्म दबंग से की थी, तो जहीर ने भी पहला फिल्मी कदम सलमान खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म नोटबुक से रखा था। बताया जा रहा है कि सोनाक्षी और जहीर ने 7 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और शादी से पहले एक साल तक साथ में भी रहे। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही फिल्म निकिता रॉय में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को उनके भाई कुश सिन्?हा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को निकी भगनानी और विक्की भगनानी मिलकर बना रहे हैं। निकिता रॉय फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शुरुआत में यह फिल्म 30 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी रिलीज की तारीख बदलकर 27 जून कर दी गई।

नोरा फतेही पेरिस फैशन वीक में एक बार फिर मन्त्रमुग्ध करने को तैयार

पिछले अक्टूबर में अपनी वायरल उपस्थिति से इंटरनेट पर धमाल मचाने के बाद, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर पेरिस फैशन वीक में लौट रही हैं–और यह खबर फैशन जगत में खासा उत्साह पैदा कर रही है। नोरा फतेही फैशन की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापसी कर रही हैं, जहाँ वे फ़ेरेल विलियम्स द्वारा डिज़ाइन की गई लुई वुइत्तों मेन्स स्प्रिंग-समर 2026 कलेक्शन में शामिल होंगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा, हम फिटिंग्स और LV के लिए निकल रहे हैं और इस बार भी धमाल मचाएंगे, बिल्कुल पिछले साल की तरह हम अपनी फिटिंग्स का स्क्र भी करने वाले हैं। क्या आप तैयार हैं? इस पोस्ट ने एक और यादगार फैशन मोमेंट के लिए माहौल तैयार कर दिया। उनकी पिछली पेरिस फैशन वीक उपस्थिति ने दुनियाभर की मीडिया की सुर्खियाँ बटोरी थीं विशेषकर उनका सफेद बॉडी-कॉन ड्रेस और स्टेटमेंट ट्रेंच कोट वाला लुक, जो शालीनता और साहसिकता का अनोखा मेल था। यह एक ऐसा क्षण था जो वायरल हो गया, जिसने दुनिया भर के फैशन प्रेमियों को आकर्षित किया और ग्लोबल फैशन आइकन के रूप में उनकी स्थापित मजबूत किया। अब जब वे एक बार फिर फैशन की राजधानी में लौट रही हैं, तो उम्मीदें आसमान छू रही

हैं। अपनी बेबाक स्टाइल, आत्मविश्वास से भरी एलीगेंस और बॉलीवुड ग्लैमर को हाइ फैशन से जोड़ने की काबिलियत के साथ, नोरा फतेही सीमाओं को तोड़ती जा रही हैं और एक ग्लोबल सेंसेशन की नई परिभाषा रच रही हैं। उनकी यह वापसी सिर्फ रैम्प वॉक के बारे में नहीं है - यह उनकी यात्रा का जश्न है। यह पूरे आत्मविश्वास और प्रामाणिकता के साथ विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में है। हालांकि फैशन ही एकमात्र ऐसा मंच नहीं है जिस पर नोरा राज कर रही हैं। जेसन डेरुलो के साथ उनके अंतर्राष्ट्रीय संगीत सहयोग स्नेक ने पहले ही 130 मिलियन व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्होंने अमेरिकन म्यूज़िक अवार्ड्स में कस्टम टॉम फ़ोर्ड लुक में भी सबका ध्यान खींचा और वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर पार्टी में ऑस्कर डे ला रेंटा में सबको चौंका दिया। बिलबोर्ड फ़ीचर से लेकर एल्योर में दमदार उपस्थिति तक, नोरा फतेही स्टारडम के नियमों को फिर से लिखना जारी रखती हैं। वायरल मोमेंट्स और तेजी से बढ़ते ग्लोबल फैनबेस के साथ, पेरिस फैशन वीक में उनकी वापसी सिर्फ एक फैशन मोमेंट नहीं–बल्कि यह एक सांस्कृतिक बयान है।

मालिक के लिए राजकुमार राव ने तीन महीने तक बढ़ाई दाढ़ी: निर्देशक पुलकित

एक्टर राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म मालिक की तैयारी में जुटे हुए हैं। फिल्म में अपने किरदार को मजबूत बनाने के लिए अभिनेता ने 80 दिन से भी ज्यादा समय तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका लुक स्क्रीन पर दमदार लगे। फिल्म के निर्देशक पुलकित ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए करवाया क्योंकि वह चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक दमदार और ताकतवर अहसास नजर आए। इस तरह का लुक फिल्म में उनके किरदार को असरदार और असली बनाएगा। पुलकित ने कहा, हम चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक ऐसी ताकत दिखे जो अंदर से आए, कुछ ऐसा जो सच्चा, थोड़ा रफ और बिना बनावट के लगे। राजकुमार ने इस किरदार के लिए खुद को शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने करीब तीन महीने तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका किरदार वास्तविक लगे। उन्होंने आगे कहा कि जो कुछ अभी टीजर में दिखा है, वह तो सिर्फ शुरुआत है, इस किरदार में और भी बहुत कुछ है। राजकुमार ने इस किरदार में ऐसा कुछ किया है जो वाकई बहुत खास है।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को

अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं। स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देते है।

पूर्णिया में निकली दो भव्य जगन्नाथ यात्राएं, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

एजेंसी

पूर्णिया : आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर पूर्णिया नगर दो जगहों से भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा के पावन आयोजन का साक्षी बना। एक ओर जहां पूर्णिया सिटी के जगन्नाथ मंदिर से पारंपरिक रथयात्रा निकाली गई, वहीं लाइन बाजार चौक से भी भव्य शोभायात्रा ने शहर को भक्तिमय बना दिया। दोनों यात्राओं में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों की भारी भीड़ ने रथ को खींचने में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। सैकड़ों श्रद्धालु बारी-बारी से रस्से द्वारा रथ को खींच रहे थे, वहीं यात्रा मार्ग को आगे-आगे पानी के टैंकर से धोया जा रहा था, जिससे पवित्रता और भक्ति का वातावरण बना रहा। इस आयोजन में श्रीराम सेवा संघ की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। संघ के कार्यकर्ता पूर्णिया सिटी की

रथयात्रा में सम्मिलित हुए, जबकि लाइन बाजार की जगन्नाथ यात्रा में संघ ने अपनी सैकड़ों सदस्यों की टीम के साथ पूर्ण सक्रियता से व्यवस्थाओं को संभाला। संघ के स्वयंसेवकों ने सुरक्षा, साफ-सफाई, जलपान और श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने जैसी जिम्मेदारियां बखूबी निभाईं। रास्ते भर जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए स्वागत द्वार, जलपान व प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। वातावरण भजन-कीर्तन और हर-हर महादेव तथा जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजता रहा। पूर्णिया में जगन्नाथ भगवान का रथ यात्रा निकाला जाना अब एक भावुक परंपरा हो गई है और लोगों के धार्मिक भावनाओं को लगातार ऊर्जा प्रदान कर रही है।

महाप्रभु जगन्नाथ का रथ खींचने श्रद्धालुओं में लगी रही होड़

धमतरी : धमतरी शहर में शुक्रवार 27 जून को श्रद्धा और उल्लास के साथ रथयात्रा निकाली गई। रथ में भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा को विराजित किया गया। इसके बाद रथयात्रा निकली। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। रथ यात्रा को लेकर शहर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। मठ मंदिर चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की पंडित बालकृष्ण शर्मा की अगुवाई में दोपहर मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना शुरू हुई। सबसे पहले मंदिर के गर्भ गृह से तीनों देवी देवताओं को बाहर निकाला गया। विधिवत श्रृंगार करने के पश्चात सभी देवी देवताओं की महाआरती की गई। पश्चात तीनों देवी –देवताओं को रथ में विराजित किया गया। इसके बाद रथ यात्रा प्रारंभ हुई। रथयात्रा मठ मंदिर जगदीश मंदिर से प्रारंभ होकर सदर मार्ग, गणेश चौक होते हुए विंध्यवासिनी वार्ड स्थित गोशाला (जनकपुर) पहुंची। रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान के रथ को खींचने के लिए होड़ लगी रही। बारी–बारी से लोगों ने रथ को खींचा। शास्त्रों के अनुसार ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने से जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं। इस मान्यता के चलते लोगों में भगवान के रथ को खींचने के लिए होड़ लगी रहती है। मठ मंदिर चौक से लेकर गोशाला (जनकपुर) तक के डेढ़ किलोमीटर के फासले को पूरा करने में रथ को लगभग तीन घंटे का समय लग गया। रथ यात्रा के साथ ही साथ रथ में सवार मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं को गजामूंग का प्रसाद भी बांटा जा रहा था। रोड किनारे बने घरों से लोग रस्सियों में कपड़ा बांधकर रथ तक कपड़ा उछालते रहे। रथ में सवार लोगों ने कपड़े में प्रसाद बांधकर इसे लौटाया। मठ मंदिर चौक से लेकर सदर मार्ग में कई स्थानों पर यह नजारा देखने को मिला।

हर बच्चे में छिपा है एक भामाशाह : मंत्री राकेश राठौर

मीरजापुर : भामाशाह जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास मंत्री राकेश राठौर ने कहा कि समाज की तरक्की तभी संभव है जब हम अपनी नई पीढ़ी को शिक्षा और संस्कार दोनों में मजबूत बनाएं। ये सम्मान उन्हीं बीजों को सींचने का प्रयास है। हर उस बच्चे में एक भामाशाह छुपा है जो आज पढ़ाई में आगे बढ़ रहा है। जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन और समर्थन देने की। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने हमेशा एकता और सेवा का परिचय दिया है। आज के युवा पदाधिकारी इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, यही मेरा विश्वास है। सिटी क्लब सभागार में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह और शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मंत्री राकेश राठौर ने भामाशाह के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि भामाशाह केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार हैं– समाज के लिए जीने और देने का प्रतीक। आज का यह सम्मान समारोह उसी भावना को आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम के जरिए समाज की उन्नति और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि भामाशाह न केवल महान दानी थे, बल्कि एक कुशल प्रशासक और राष्ट्रसेवक भी थे। उनके योगदान से समाज को प्रेरणा मिलती है कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा, तब तक प्रगति संभव नहीं।

कुलसचिव के आश्वासन के बाद अतिथि शिक्षकों का धरना समाप्त

एजेंसी

भागलपुर : टीएमबीयू के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों तथा स्नातकोत्तर विभागों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के सेवा नवीकरण की मांग को लेकर टीएमबीयू अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. आनन्द आजाद की अध्यक्षता में शुक्रवार को कुलपति आवास के समक्ष धरना दिया गया। धरना के दौरान कुलसचिव प्रो. (डॉ.) रामाशीष पूर्वे ने धरना स्थल पर आकर धरना दे रहे अतिथि शिक्षकों से कहा कि आप लोगों के सेवा नवीकरण को लेकर चयन समिति की बैठक आहूत करने को लेकर राजभवन से अनुमति मिल गई है। 30 जून को चयन समिति की बैठक करते हुए 01 जुलाई को आपके नवीकरण से

सम्बन्धित अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इस पर संघ के अध्यक्ष डॉ. आनन्द आजाद ने कहा कि 30 जून को ही हमारी सेवा नवीकरण से सम्बन्धित अधिसूचना जारी की जाए। जिससे की हमलोग 01 जुलाई से अपने-अपने महाविद्यालय तथा स्नातकोत्तर विभाग में योगदान देते हुए वर्गाध्यापन प्रारम्भ कर सकें। इस पर कुलसचिव ने कुलपति से वार्ता कर पुनः आकर कहा कि ठीक है 30 जून को ही आपलोगों के सेवा नवीकरण से सम्बन्धित अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इसके बाद संघ के अध्यक्ष डॉ. आनन्द आजाद ने सर्वसम्मति से आन्दोलन समाप्त करने की घोषणा की। आज के धरना के दौरान धरना स्थल पर आकर धरना का समर्थन करते हुए टीएमबीयू के अभिषद सदस्य डॉ. के. के. मंडल, प्रो. निर्लेश कुमार तथा डॉ. मुकेश पासवान ने कहा कि राजभवन से निर्देश आ जाने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अब तक अतिथि शिक्षकों की मांग पूरी नहीं किया जाना अत्यंत दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। हम अतिथि शिक्षकों की मांग का पूर्ण समर्थन करते हैं। आज के धरना के दौरान डॉ. अरुण पासवान, डॉ. अजीत कुमार सोनू, डॉ. पवन कुमार जायसवाल, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. सर्पराज रामानन्द सागर, डॉ. आदित्य नारायण, डॉ. धीरेन्द्र कुमार, डॉ. रामजी पासवान, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. आलोका कुमारी, डॉ. बीबी नूरजहाँ, डॉ. किरण कुमारी, डॉ. ऋतु कुमारी, डॉ. अनुज रानी, डॉ. चन्दन कुमार, डॉ. स्मिता कुमारी, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. संतोष तिवारी समेत दर्जनों अतिथि शिक्षक मौजूद थे।

कृषि रक्षा रसायनों का विक्रय करते समय कृषक को बिल देना अनिवार्य : जिला कृषि रक्षा अधिकारी

एजेंसी

कानपुर : समस्त कीटनाशी विक्रेताओं द्वारा कृषि रक्षा रसायनों का विक्रय करते समय बिल व कैश मेमों कृषकों को अनिवार्य रूप से दिया जाय एवं ग्रो सेफ फूड अभियान के अन्तर्गत सम्बंधित बैनर व पोस्टर की फ्रेमिंग कर अपने प्रतिष्ठान के मुख्य द्वार पर चस्पा कर अनिवार्य करें। यह बातें शुक्रवार को जिला कृषि रक्षा अधिकारी सलीमुद्दीन ने सभी पंजीकृत कीटनाशी विक्रेताओं को निर्देशित करते हुए कही। जिला कृषि रक्षा अधिकारी सलीमुद्दीन ने कहा कि कीटनाशक का व्यापार करने के लिए अपने प्रतिष्ठान पर ओनर द्वारा जिस कम्पनी अथवा थोक विक्रेता से कृषि रक्षा रसायन क्रय किया जाता है। उससे सम्बंधित कम्पनी अथावा थोक विक्रेता से बिल अनिवार्य रूप से लिया जाय एवं अपने पास सुरक्षित रखें ताकि निरीक्षण के समय निरीक्षणकर्ता अधिकारी द्वारा बिल मांगे जाने पर प्रस्तुत किया जा सके। समस्त कीटनाशी विक्रेता केवल उन्ही कीटनाशी रसायनों की खरीद व बिक्री करेंगे जिनका प्राधिकारपत्र (पी.सी.) उनके कीटनाशी लाइसेंस पर अंकित हो । उन्होंने कहा कि कृषि रक्षा रसायन के साथ अन्य उत्पाद की जबरन टैगिंग तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर विक्रय न किया जाय। साथ ही यह भी निर्देशित किया है कि सभी विक्रेताओं के द्वारा स्टॉक रजिस्टर तथा विक्रय रजिस्टर एवं कैश मेमो पूर्ण कर प्रतिष्ठान पर रखना अनिवार्य है। प्रतिष्ठान पर प्रतिबंधित रसायनों की बिक्री पूर्णतः वर्जित है। यदि कोई भी विक्रेता प्रतिबंधित रसायनों की बिक्री करता पाया जाता है तो सम्बंधित के विरूद्ध कीटनाशी अधिनियम-1968 एवं 1971 नियमावली में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिसके लिए सम्बंधित विक्रेता स्वयं उत्तरदायी होगें।

मप्रः उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए एलायंस एयर के अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

भोपाल : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से शुक्रवार को दिल्ली में एलायंस एयर के चेयरमैन अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजर्षी सेन ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विंध्य क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार एवं संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा, सतना और विंध्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगरों में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हवाई सेवाएं आमजन के लिए सुलभ और सस्ती बनाई जा रही हैं, और मध्य प्रदेश सरकार इस दिशा में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने एलायंस एयर को रीवा एवं विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी दी और कहा कि यहां एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं निवेश के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी। बैठक में रीवा से महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभार्थियों को मिले लाभ : अपर्णा

एजेंसी

कानपुर : राज्य व केन्द्र सरकार की योजनाओं से लाभार्थियों को शत प्रतिशत व समयबद्ध लाभ दिलाना ही हमारी प्राथमिकता है। यह बातें शुक्रवार को महिला एवं सामाजिक कल्याण संस्थानों का निरीक्षण व सर्किट हाउस में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक के दौरान राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कही। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में संचालित विभिन्न महिला एवं सामाजिक कल्याण संस्थानों का जाएज़ा लिया गया। इस दौरान उन्होंने वृद्धा आश्रम स्वरूप नगर, राजकीय बालगृह (बालिका), वन स्टॉप सेंटर, जिला महिला चिकित्सालय और जिला कारागार की महिला बैरक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपाध्यक्ष ने बताया कि स्वरूप नगर

स्थित वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों से संवाद करते हुए वृद्धावस्था पेंशन संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही इस अवसर पर वृद्धजनों को फल भी वितरित किए है । उन्होंने बताया कि राजकीय बालगृह (बालिका) की स्थिति का अवलोकन करते हुए संस्थान के नवीनीकरण और सुधार के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है।

वहीं,वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण में उन्होंने इसकी मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि और जनमानस में इसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया। महिला चिकित्सालय में जच्चा-बच्चा वार्ड का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया और नवजात बालिकाओं के परिवारों को बेबी किट प्रदान की। साथ ही, लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना तथा अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष ने बताया कि जिला कारागार की महिला बैरक में निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिन्दूर एवं रुद्राक्ष के पौधों का वृक्षारोपण किया साथ ही महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए जेल अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए।देर शाम को सर्किट हाउस में जनपद में संचालित महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान उपाध्यक्ष ने सभी पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने पर बल दिया। बैठक में उपायुक्त महिला अपराध, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), सहायक पुलिस उपायुक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला चिकित्सा अधीक्षक, प्रभारी महिला थाना, वन स्टॉप सेंटर के सेंटर मैनेजर, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आपातकाल की अवधि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के सबसे काले अध्यायों में से एक है : डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

जम्मू : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उनके साथ भाजपा जम्मू एवं कश्मीर के अध्यक्ष सत शर्मा (सीए), भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक डॉ. नरिंदर सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविन्द्र गुप्ता और विधायक चौ. विक्रम रंधावा भी थे। प्रेस को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि आपातकाल की अवधि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के सबसे काले

अध्यायों में से एक है लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए इसे बार-बार याद रखना महत्वपूर्ण है कि आने वाली पीढ़ियां इसके परिणामों से अवगत हों और ऐसी किसी भी पुनरावृत्ति के खिलाफ सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि उन वर्षों के दौरान, 1975 से 1977 तक अनगिनत व्यक्तियों ने राज्य प्रायोजित अत्याचारों का अनुभव किया क्योंकि कई लोगों को बिना मुकदमे के जेल में डाल दिया गया, क्रूर लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा, उन्हें नजरबंद कर दिया गया, या भूमिगत होने के लिए मजबूर किया गया। बड़े पैमाने पर जबरन नसबंदी भी की गई जिसने सार्वजनिक आघात को और बढ़ा दिया। आपातकाल केवल राजनीतिक अधिकारों का निलंबन नहीं था बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा पर एक व्यापक हमला था।

डॉ. सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उस दमनकारी युग ने मजबूत नेताओं और नए विचारों को जन्म दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अवधि के दौरान वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण लोकतंत्र के रक्षक के रूप में उभरे। उन्होंने बताया कि कैसे नानाजी देशमुख ने जेपी को बचाने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल दी थी। उन्होंने कहा कि देश को उनसे ज्यादा जयप्रकाश नारायण की जरूरत है। इस अवधि के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी, अरुण जेटली और चंद्रशेखर जैसे नेताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में लचीलापन और नेतृत्व दिखाया।

डॉ. सिंह ने यह भी याद किया कि कैसे आपातकाल के दौरान उनके कई वरिष्ठों को जेल में डाल दिया गया था और कैसे मीडिया को स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने उल्लेख किया कि पत्रकारों को केवल सच्ची रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए गिरफ्तार किया गया था और प्रेस लगातार भय और सेंसरशिप के तहत काम करता था। उन्होंने आगे कहा कि आपातकाल एक अचानक विचलन नहीं था, बल्कि कांग्रेस पार्टी की वैचारिक नींव का संचयी परिणाम था। इसकी उत्पत्ति का पता लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को ए.ओ. ह्यूम ने की थी जो एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश सिविल सेवक थे, जिनका उद्देश्य भारत में एक नियंत्रित राजनीतिक मंच बनाना था न कि राष्ट्रवादी उत्साह से पैदा हुआ आंदोलन। डॉ. सिंह ने बताया कि कांग्रेस का कभी भी देश के लिए बलिदान देने या वास्तव में देश की सेवा करने का इरादा नहीं था। उन्होंने पार्टी पर भाई-भतीजावाद, अधिनायकवाद और अवसरवाद में निहित होने का आरोप लगाया जो हमेशा अपने हितों को देश के हितों से ऊपर रखती है। उन्होंने तर्क दिया कि जबकि कांग्रेस अक्सर भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने का दावा करती है, इसने 1930 तक पूर्ण स्वतंत्रता की मांग नहीं की। तब तक पार्टी होम रूल के विचार से संतुष्ट थी जिसका अर्थ था कि भारत अभी भी अंग्रेजों के अधीन अधिकारियों द्वारा शासित होगा। उन्होंने याद किया कि कैसे कांग्रेस ने मदन लाल ढींगरा जैसे राष्ट्रवादी क्रांतिकारियों की निंदा की, जिन्होंने लंदन में विलियम कर्जन की हत्या की और बाद में उन्हें मार दिया गया।

न्यूज IN बिजनेस

बिहार के रोहतास जिले में मोहर्रम जूलुस के दौरान विद्युत तार की चपेट में आने से एक की मौत, चार की हालत नाजुक

डेहरी आन सोन : बिहार में रोहतास जिले के रोहतास थाना के समीप निमिया टिकारी में मोहर्रम की पहली तारीख को आज निकली मातमी जुलूस के दौरान हाई टेंशन ग्यारह हजार की चपेट में आने से एक दर्जन लोग झुलस गए , जबकि एक की अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गई। चार युवकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को सासाराम सदर अस्पताल रेफर किया गया ।
पुलिस के अनुसार इस्माइल खान 20 वर्षीय पिता पीकू खान की मौत हो गई है। जबकि अफजल खान 18 वर्षीय पिता हाकिम खान ,दारानगर के आजम खान, हसन रजा, नमीर खान गंभीर रूप से घायल है। अन्य युवकों को हल्की फुल्की चोट आई है। घटना के बाद उग्र लोगों ने डेहरी रोहतास एनएच 119 मुख्य पथ को जाम कर आगजनी करने लगे। उग्र लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की सबसे बड़ी लापरवाही है,पूर्व में ही जुलूस की सूचना विभाग के लोगों दे दी गई थी उसके बाद भी विद्युत आपूर्ति सेवा बहाल रही,बिजली विभाग के अधिकारियों पर एफआईआर की मांग पर अड़े हुए है। घटना के बाद रोहतास नगर पंचायत बाजार की सभी दुकानों को बंद कर दिया गया। रोहतास नगर पंचायत को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। लोग सड़को पर जमकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं ।स्थानीय लोगों का कहना है कि शांति समिति के बैठक में तय होने के बाद भी इतनी बड़ी चुक कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन की बड़ी लापरवाही दिख रही है।

पूर्णिया एसपी स्वीटी सहरावत का जनता दरबार में सख्त रुख,मामलों पर एक्शन का आदेश

पूर्णिया : पूर्णिया की नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक स्वीटी सेहरावत के नेतृत्व में आज जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। हाल ही में पूर्णिया की कमान संभालने वाली एसपी स्वीटी सेहरावत ने अपनी सक्रियता और संवेदनशील कार्यशैली से पहले ही जनता में विश्वास कायम करना शुरू कर दिया है। जनता दरबार के दौरान एसपी महोदया ने एक-एक फरियादी की समस्या गंभीरता से सुनी और मौके पर ही संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा किजन समस्याओं का निदान ही हमारी प्रमुखता है। जनता दरबार में भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न और अन्य सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कई शिकायतें सामने आईं। कुछ मामलों में उन्होंने ऑन द स्पॉट जांच का आदेश दिया, जिससे आम लोगों में संतोष और विश्वास का भाव देखने को मिला। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पूर्णिया पुलिस जनता के सहयोग और विश्वास से ही मजबूत होगी, और हर नागरिक की सुरक्षा व न्याय सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दरबार में पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बिहार में डीसीएलआर कार्यालयों की रैंकिंग जारी, पूर्वी चंपारण का चकिया बना नम्बर वन

पटना : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से राज्य के सभी 101 भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) कार्यालयों की समीक्षा कर मई माह की रैंकिंग शुक्रवार को जारी कर दी गई है। जारी की गई रैंकिंग के मुताबिक पूर्वी चंपारण का चकिया भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय पहले, शेखपुरा का शेखपुरा भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय दूसरे और मुंगेर का तारापुर भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय तीसरे स्थान पर बरकरार है। सुपौल का निर्मली भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय पांचवें से चौथे, अरवल भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय 58वें नंबर से लंबी छलांग लगाते हुए पांचवें नंबर पर आ गया है। दरभंगा का बिरौल डीसीएलआर कार्यालय 12वें से छठे और नालंदा का हिलसा सातवें स्थान पर बरकरार है। इसके साथ ही पटना का पालीगंज नौवें से आठवें, सीतामढ़ी का बेलसंड छठे से खिसककर नौवें तो बेगूसराय दसवें स्थान पर बरकरार है। पूर्वी चंपारण का पकड़ीदयाल 23वें स्थान से लंबी छलांग लगाते हुए 11वें स्थान पर आ गया है। बेगूसराय का तेघड़ा 17वें से 12वें, नालंदा का बिहारशरीफ 26वें से 13वें, जहानाबाद 16वें से 14वें और औरंगाबाद लंबी छलांग लगाते हुए 88वें से 15वें स्थान पर आ गया है।

टॉप 10 भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय

1. चकिया (पूर्वी चंपारण) : 81.97 अंक

2. शेखपुरा (शेखपुरा) - 79.77 अंक
3. तारापुर (मुंगेर) : 78.72 अंक
4. निर्मली (सुपौल) : 77.82 अंक
5. अरवल (अरवल) : 76.52 अंक
6. बिरौल (दरभंगा) : 76.16 अंक
7. हिलसा (नालंदा) : 74.79 अंक
8. पालीगंज (पटना) : 74.71 अंक
9. बेलसंड (सीतामढ़ी) : 74.27 अंक
10. बेगूसराय (बेगूसराय) : 72.87 अंक

रैंकिंग में फिसड्डी 1 0 भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय

1. आरा सदर (भोजपुर) : 55.27 अंक
2. फारबिसगंज (अररिया) : 55.22 अंक
3. मुजफ्फरपुर पूर्वी (मुजफ्फरपुर) : 53.60 अंक
4. बेतिया (प. चंपारण) : 53.43 अंक
5. दानापुर (पटना) : 53.11 अंक
6. सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा) : 51.39 अंक
7. फुलपरास (मधुबनी) : 51.22 अंक
8. जयनगर (मधुबनी) : 50.82 अंक
9. भागलपुर सदर (भागलपुर) : 49.95 अंक
10. नवगछिया (भागलपुर)- 37.16 अंक

क्या कहते हैं राजस्व मंत्री

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री संजय सरावगी ने इस बाबत बातचीत में बताया कि विभाग की तरफ से लगातार सभी कार्यों की समीक्षा ऑनलाइनझ्ऑफलाइन दोनों मोड में की जा रही है। समीक्षा के अच्छे परिणाम मिलने लगे हैं। समीक्षा का असर रैंकिंग पर भी पड़ रहा है। मई माह में कई भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। विभाग का उद्देश्य भी यही है कि राज्य की जनता को राजस्व संबंधित किसी भी प्रकार की सेवा का लाभ लेने में परेशानी का सामना ना करना पड़े इसलिए जिलों में जाकर भी राजस्व कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

देश में मानसून ने पकड़ी रफ्तार,

नई दिल्ली : देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरी रफ्तार पकड़ ली है और इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में बीते 24 घंटे के दौरान जमकर बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 27 जून तक देशभर में हुई बारिश के आंकडे.जारी किए हैं। आईएमडी के मुताबिक मध्य प्रदेश के कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश रिकॉर्ड की गई है, वहीं कई स्थानों पर 100 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई है। मध्यप्रदेश के हरदा जिले के खिरकिया में सर्वाधिक 132.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। देवास के उदयनगर में 125 मिमी, झाबुआ के मेघनगर में 123 मिमी, हरदा के टिमरनी में 122.6 मिमी, राजगढ़ के नरसिंहगढ़ में 115 मिमी, धार के बदनावर में 107 मिमी और मंदसौर में 106 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा सागर के रहटगढ़, जबलपुर के शाहपुरा, झाबुआ के पेटलावद, रतलाम के जावरा और छिंदवाड़ा के मोहखेड़ा में भी 80 से 90 मिमी के आसपास बारिश हुई।

सरकारी मोबाइल पर पारिवारिक, धार्मिक व निजी डीपी लगाने पर लगी रोक, आदेश जारी

विनय मिश्रा

पलामूः प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम ने लातेहार, गढ़वा और पलामू जिलों के समस्त थाना प्रभारियों, पिकेट, पोस्ट एवं पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सरकारी मोबाइल फोन पर पारिवारिक, धार्मिक या निजी प्रोफाइल फोटो (डीपी) लगाने की प्रवृत्ति तुरंत समाप्त होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकारी मोबाइल एक आधिकारिक सम्पर्क माध्यम है और इसका उपयोग सिर्फ विभागीय कार्यों, जनसंपर्क और त्वरित संप्रेषण के लिए किया जाना चाहिए। ऐसे में प्रोफाइल पर पुलिसकर्मी की वर्दी में स्पष्ट तस्वीर होना आवश्यक है, ताकि आम नागरिक को यह भ्रम न रहे कि वह किससे संवाद कर रहा है।

डीआईजी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि- कई पुलिसकर्मी अपने आधिकारिक मोबाइल पर पारिवारिक या गैर-पेशेवर तस्वीरें लगाए हुए हैं, जो विभाग की अनुशासित और जिम्मेदार छवि को धूमिल करती हैं। उन्होंने इसे अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखते हुए भविष्य में इस आदेश के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

प्रभारी अधिकारी करें आदेश का अनुपालन सुनिश्चितः डीआईजी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थों से इस आदेश का कड़ाई से पालन कराएं। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिनके पास वर्दी में उपयुक्त और स्पष्ट तस्वीर नहीं है, वे शीघ्र ही उसे अपडेट करें। पहले भी जताई थी चिंताः इससे पूर्व भी डीआईजी ने यह टिप्पणी की थी कि वरीय अधिकारी जब किसी थाना स्तर के पुलिसकर्मी को कॉल करते हैं, तो कई बार उन्हें पहचान बतानी पड़ती है, जिससे संवाद में बाधा आती है। यदि सभी पुलिसकर्मियों की वर्दी में स्पष्ट डीपी हो तो यह समस्या स्वतः समाप्त हो सकती है।

डीआईजी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि पुलिस विभाग की पहचान उसकी पेशेवर कार्यशैली, अनुशासन और पारदर्शिता से होती है, और ऐसे में हर अधिकारी और कर्मी को अपनी भूमिका गंभीरता से निभानी चाहिए।

अब देखना यह होगा कि डीआईजी के इस सख्त और पेशेवर निर्देश का पालन जमीनी स्तर पर कितनी तत्परता से होता है।

मजदूरों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जायेगाः संतोष सोनी

रांचीः मजदूरों का निवाला छीनने का घिनौना खेल नहीं खेलने दिया जायेगा। उक्त बातें झारखंड राज्य खाद्य निगम के मोटिया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने कही। श्री सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पिछले दिनों हटिया रैक से ट्रक नंबर ओडी16ई - 7853 खाद्यान्न (गेहूं) लोड कर गुमला स्थित एफसीआई के डिपो के लिए निकली थी लेकिन एफसीआई और झारखंड राज्य खाद्य निगम के कुछ अधिकारियों के मिली भगत से उक्त ट्रक के ड्राइवर को ट्रांसपोर्टर ने आदेश दिया माल सीधे कामडारा लेकर पहुंचा। इस बात को ड्राइवर मधु ने खुद स्वीकारा है। जबकि नियमानुसार रैक से लोड गाड़ी सीधे एफसीआई का डिपो जाती है फिर वहां कार्यरत मजदूर उसे खाली कर गोदाम में स्टैक लगाते हैं उसके बाद जेएसएफसी गोदामों के लिए मजदूर लोड करते हैं।इस प्रकार मजदूरों को दो बार काम करने का मौका मिलता है लेकिन खाद्यान्न का कालाबाजारी के चक्कर में मजदूरों का हक छीन कर रैक से सीधे ब्लॉक में गाड़ी भेजा गया। खबर तो यह भी है कि उसी दिन कामडारा के अलावा बसिया में दो और पालकोट में एक ट्रक भेजा गया था। इससे साफ जाहिर होता है कि विभाग के बगैर मिली भगत के इस तरह के बड़े पैमाने पर कालाबाजारी नहीं किया जा सकता। इधर जब मामला का उजागर हुआ तब झारखण्ड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड राँची के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार ने गुमला के परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता रामप्रसाद सोनी को जवाब तलब किया है। पूछे गए स्पष्टीकरण में साफ साफ कहा गया है कि गेहूँ लदा वाहन जो एफसीआई के डीपो में जानी है उसे जेएसएफसी गोदाम के पास ले जाना नियम के विरूद्ध है। यह कृत्य ट्रांसपोर्टर द्वारा खाद्यान्न कालाबाजारी की मंशा को परिलक्षित करता है। वहीं श्री सोनी ने यह भी कहा है कि अगर उक्त ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध विभाग के द्वारा कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है तो बाध्य होकर आंदोलन करना पड़ेगा।

उपायुक्त ने किया डुमरी प्रखंड का व्यापक दौरा

बन्दुआ गांव की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का लिया जायजा

संवाददाता

गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने डुमरी प्रखंड अंतर्गत मझगांव पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बन्दुआ गांव का दौरा किया और वहां सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का निरीक्षण किया। दौरे की शुरूआत उक्त गांव में लगे धरती आबा जनभागीदारी अभियान के शिविर से हुई। वहां उपस्थित ग्रामीणों द्वारा उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत अभिवादन किया गया। उपायुक्त ने शिविर में लगे सभी स्टालों का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित कर्मियों को निर्देशित किया कि सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों को अवश्य मिले।

इसके पश्चात उन्होंने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। उपायुक्त द्वारा उक्त सेंटर की वर्तमान स्थिति, सफाई, शौचालय, पानी ,बिजली,भवन मरम्मती इत्यादि की जानकारी ली गई। उपायुक्त गुमला ने वहां उपस्थित कर्मियों को रजिस्टर मेंटेन करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने गांव में बन रहे अबुआ आवास निर्माण कार्य का भी जायजा लिया और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने की बात कही। इसके पश्चात उपायुक्त ने शिशु घर (अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा संचालित) का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने भवन में खिड़की,समुचित बिजली व्यवस्था तथा पंखा लगाने का निर्देश दिया । बन्दुआ गांव स्थित मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। भवन में पानी, बिजली की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए बच्चों को सही तरीके से पढ़ाने की बात कही गई। साथ ही साथ केंद्र में रजिस्टर मेंटेन करने हेतु निर्देशित किया गया।उक्त गांव में खराब पड़े जलमीनार के सम्बन्ध में जानकारी मिलने पर शीघ्र संबंधित विभाग को जलमिनार को मरम्मत कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बाद उपायुक्त ने राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बन्दुआ का निरीक्षण किया। विद्यालय में पानी ,बिजली की व्यवस्था सही करने,किचेन शेड निर्माण करने तथा बेंच डेस्क मरम्मती का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में एक चापाकल लगवाने की बात कही गई। इसके पश्चात डुमरी प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भी निरीक्षक किया। वहां उन्होंने स्कूली बच्चियों से संवाद स्थापित किया और उनसे समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्राओं द्वारा बताया गया कि विद्यालय में कक्षा की कमी है। जिसपर उपायुक्त गुमला द्वारा इस समस्या के शीघ्र समाधान करने की बात कही गई। साथ ही विद्यालय में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है। इस संबंध में उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को शीघ्र शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

इस दौरे के क्रम में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने वन धन केंद्र, सेनेटरी पैड निर्माण स्थल,जीरा फूल चावल,लेमन ग्रास इत्यादि का भी निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

दौरे के आखिरी में उपायुक्त ने पुस्तकालय का जायजा लिया। उन्होंने प्रखंड स्तरीय सभी वरीय पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक शनिवार को वह पुस्तकालय में बच्चों की कक्षा लें। जिससे बच्चों को उनसे प्रेरणा मिले और वह भी उनकी तरह पढ़ लिख कर कामयाब व्यक्ति बनें। उन्होंने वहां उपस्थित छात्रों से भी संवाद किया और उनकी उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने गांव के नागरिकों को सभी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही ग्रामीणों को सभी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने, बिजली की आपूर्ति बहाल करने, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने का आदेश दिया।

उपस्थित पदाधिकारीः इस निरीक्षण अभियान में अनुमंडल पदाधिकारी चैनपुर, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग, प्रखंड विकास पदाधिकारी,डुमरी सहित संबंधित विभागों के कई अन्य पदाधिकारी, पिरामल फाउंडेशन के कर्मीगण एवं अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने डुमरी प्रखंड अंतर्गत मझगांव पंचायत में धरती आबा जनजातीय जागृति अभियान शिविर का किया निरीक्षण

222 आवेदनों का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

संवाददाता

गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने आज डुमरी प्रखंड अंतर्गत मझगांव पंचायत में आयोजित धरती आबा जनजातीय जागृत अभियान के अंतर्गत लगाए गए विशेष जनसेवा शिविर का निरीक्षण किया । क्षेत्र भ्रमण के क्रम में शिविर स्थल पर पहुंचकर उपायुक्त ने वहां उपस्थित ग्रामीणों एवं लाभार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं एवं संबंधित विभागीय कर्मियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय समुदाय तक सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को सुनिश्चित करना था। उपायुक्त ने शिविर में चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी लेकर अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के अंतर्गत प्राप्त कुल आवेदनों में से 2,22 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। प्राप्त आवेदनों का विवरण इस प्रकार हैः- आधार कार्ड सुधार एवं अद्यतन के 7 आवेदन,प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 4 आवेदन,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना संबंधी 4 आवेदन, आयुष्मान भारत योजना से जुड़े 15 आवेदन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित 4 आवेदन, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के 4 आवेदन,प्रधानमंत्री जनधन योजना से संबंधित 1 आवेदन,विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 7 आवेदन,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के 11 आवेदन,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 7 आवेदन,सिकल सेल एनीमिया की जांच हेतु 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया,जाति प्रमाण पत्र से जुड़े 19 आवेदन,राशन कार्ड सुधार एवं निर्गमन हेतु 4 आवेदन,आवास प्रमाण पत्र हेतु 23 आवेदन,मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य से संबंधित 35 आवेदन,पोषण अभियान के अंतर्गत 49 आवेदन,अन्य योजनाओं से संबंधित 3 आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने इस दौरान सभी विभागीय कर्मियों को निर्देशित किया कि शेष आवेदनों का निष्पादन समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से किया जाए ताकि लोगों को लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

उन्होंने मौके पर मौजूद नागरिकों से अपील की कि वे धरती आबा जनजातीय जागृति अभियान के तहत आयोजित शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लें एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

धूमधाम से निकली भगवान की रथ यात्रा

संवाददाता

गुमला : जिले के विभिन्न अनुमंडल , प्रखंड और गांवों में भगवान जगन्नाथ (श्री कृष्ण) बड़े भाई बलराम, बहन सुभद्रा की भव्य और विशाल रथयात्रा निकाली गयी। कई जगहों पर साल में दो बार रथयात्रा निकाली जाती है, पहला मकर संक्रांति के अवसर पर और दूसरा अषाढ़ मास में । ऐसी मान्यता है कि आषाढ़ मास में भगवान अपने बड़े भाई - बलराम और बहन सुभद्रा के साथ बीमार होकर 15 दिनों के लिए एकांतवास के लिए 15 दिन के लिए अपनी मौसी के घर चले जाते हैं । 15 दिन बाद भगवान स्वास्थ्य लाभ होकर अपने कक्ष (कमरे) से बाहर निकलते हैं और अपने भक्तों को दर्शन देते हैं, इसके बाद अषाढ़ मास द्वितीया के दिन भगवान अपने बड़े भाई बलराम तथा बहन सुभद्रा के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और अपने रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं, इसी उपलक्ष्य में रथयात्रा का शुभारंभ हुआ । गुमला जिला मुख्यालय स्थित मालवीय नगर - करौन्दी ग्राम के रथ टांड़ में भव्य रथयात्रा का आयोजित किया जाता है। 27 जून को रथयात्रा के दिन महिला - पुरूष , बड़े - बुजुर्ग और बच्चे अपनी परम्परागत वेशभूषा में - लोगबाग काफी उत्साहित होकर उक्त रथयात्रा के दिन का इन्तजार कर रहे थे , लेकिन एकाएक रथयात्रा के पूर्व रात्रि से ही मूसलाधार बारिश ने उनकी उत्साह और उमंग को कम नहीं कर सका । सुबह से ही लोगबाग भगवान के दर्शन हेतु उक्त मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की। मेले में घूमने फिरने व झूले के अलावा लोगों ने विभिन्न आकार प्रकार के व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

उपायुक्त ने जोकबहार पंचायत में योजनाओं का निरीक्षण कर दिया आवश्यक निर्देश

सिमडेगाः उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने सिमडेगा प्रखंड अंतर्गत जोकबहार पंचायत में मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत चल रही गतिविधियों की विशेष समीक्षा की। उन्होंने ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि गड्ढा खुदाई, पौधारोपण, इंटरक्रॉपिंग, जलकुंड निर्माण, मानक अनुरूप योजना बोर्ड एवं एच-टेका से संबंधित सभी कार्यों में तीव्र गति लाएं ताकि योजना का लाभ समय पर ग्रामीणों को मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से हों। उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति बेघर न रहे और सभी को उनका पक्का मकान मिले। इसलिए इस योजना का सतत मॉनिटरिंग कर समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करायें।

उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाएं मुख्यमंत्री की बहुत ही महात्वाकांक्षी योजना है जो ग्रामीणों के लिए रोजगार का प्रमुख साधन हैं, अतः इनके प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो, पंचायत मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता गौतम राणा चाईबासा के साथ- साथ चक्रधरपुर के दायित्व का कर रहे हैं निर्वहन

विनय मिश्रा

अधिकारी अगर दायित्व के प्रति समर्पित हों और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्यों के निष्पादन हेतु गंभीर हो तो इसका सार्थक परिणाम उत्साह एवं संतोषजनक होता है जी हाँ हम बात कर रहे हैं विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता गौतम राणा की जिनके बेहतर कार्य प्रणाली से विभाग संबंधित कार्यों का निष्पादन ससमय और बेहतर ढंग से किया जाता है। जनसमस्या हो या फिर विभाग की परेशानी उनके संज्ञान में आते ही उसका निष्पादन विभाग के लिए उपलब्धि ही है। कार्यपालक अभियंता श्री राणा ने चाईबासा प्रमंडल में कार्यपालक अभियंता के रूप में अपनी बेहतर कार्य प्रणाली से एक बेहतर कार्य संस्कृति का सृजन किया और जिला मुख्यालय को बेहतर भी बनाया। वर्तमान समय में इनके बेहतर कार्य दक्षता को देखते हुए इन्हें चक्रधरपुर प्रमंडल का भी दायित्व मिला जिसकी जवाबदेही का निर्वहन यह भलीभाँति और बेहतर ढंग से कर रहे हैं। अपर मुख्य सचिव सह ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव का भी मानना है कि ऐसे अधिकारी से विभाग की कार्य दक्षता और क्षमता ऊर्जा विभाग की ऊर्जा बढ़ाती है। ऐसे अधिकारी निश्चित तौर पर विभाग और जिला दोनों को गौरवान्वित करते हैं।

पादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरुकता अभियान के तहत अपर समाहर्ता ने किसानों के बीच बांटा फलदार पौधा

गुमला : जिले में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरुकता अभियान (10 से 26 जून 2025) के तहत समाहरणालय परिसर में अपर समाहर्ता शशिंद्र बड़ाईक द्वारा जिले के बसिया,चैनपुर तथा भरनो प्रखंड के कुछ किसानों को फलदार पौधों का वितरण किया गया। उक्त प्रखंड के किसानों के खेतों में अफीम की खेती की जा रही थी। जिसे पुलिस प्रशासन द्वारा नष्ट कर, खेतों को बंजर होने से बचाया गया। इन क्षेत्रों में युवा नशे की गिरफ्त में आते जा रहे थे, जिन्हें नशे की लत से निकालने के लिए जिला पुलिस प्रशासन के गुमला पुलिस कप्तान हारिश बिन जामां ने उक्त आवश्यक कार्रवाई को कारगर बताया है। इसी दिशा में गुमला जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में उपस्थित किसानों को फलदार पौधों का वितरण किया गया। जिससे कि उक्त संबंधित किसानों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उनके बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया।

कम्युनिटी पुलिसिंग अपराध नियंत्रण में सहायक

मिथिलेश कुमार सिंह

कम्युनिटी पुलिसिंग अपराध नियंत्रण में सहायक हो सकती है। पुलिस और समुदाय में समन्वय से काफी हद तक अपराध पर काबू पाया जा सकता है।

बढ़ते अपराध पर काबू पाना और विभिन्न समारोहों पर विधि-व्यवस्था संधारण पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है। कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से समुदाय को अपराध की रोकथाम और सुरक्षा के बारे में जागरूक किए जाने की जरूरत है। इससे समुदाय के सदस्य पुलिस को अपराध और अपराधियों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं। कम्युनिटी पुलिसिंग पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास निर्माण में मदद करती है, जिससे समुदाय पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए अधिक इच्छुक होता है।

कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और समुदाय मिलकर निवारक कार्यवाही कर सकते हैं, जैसे कि क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी करना। कम्युनिटी पुलिसिंग अपराध दर में कमी लाने में मदद कर सकती है, सामुदायिक सुरक्षा में सुधार करती है और समुदाय के सदस्यों को अधिक सुरक्षित महसूस कराती है।

इसलिए पुलिस विभाग को इस दिशा में भी प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। इससे अपराध दर में कमी आ सकती है। साथ ही इस प्रयास से सामुदायिक सुरक्षा में भी सुधार संभव है।

नक्सलवाद पर काबू पाने में भी सहायक है कम्युनिटी पुलिसिंगः कम्युनिटी पुलिसिंग नक्सलवाद पर काबू पाने में भी काफी सहायक साबित हो सकता है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के विकास के लिए काम करना, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करना आदि प्रयासों से ग्रामीण युवाओं को समाज के मुख्य धारा में लाने में सफलता मिल सकती है।

स्थानीय लोगों को आर्थिक अवसर प्रदान करने से नक्सलवाद के प्रति आकर्षण कम हो सकता है। स्थानीय समुदायों को प्रोत्साहित करने से बेहतर और सकारात्मक परिणाम संभव है।

कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से खासकर सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में नक्सलवाद के बारे में जागरूकता अभियान चलाना और लोगों को इसके खतरों के बारे में बताया जाना चाहिए।

स्थानीय मीडिया का उपयोग करके नक्सलवाद के खिलाफ संदेश फैलाना, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना, स्थानीय समुदाय को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल करना और उन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान करना, नक्सलियों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम चलाना और उन्हें समाज में पुनः एकीकृत करने में मदद करना, नक्सलवाद से संबंधित मामलों में न्यायिक प्रक्रिया को तेजी से और पारदर्शी बनाना आदि उपायों को लागू करने से नक्सलवाद पर काबू पाने में मदद मिल सकती है।

(लेखक झारखंड के सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक हैं)